मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 7 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 4 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 119 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ यमुना बची तो दिल्ली भी बच जाएगी

शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति ◂◂ 6

रांची में कड़ाके की ठंड से एक असहाय महिला की मौत

वार्ड 18 स्थित लग्न कॉम्प्लेक्स के सामने मिला शव

समाजसेवी सबलू मुंडा ने निभाई अहम भूमिका

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची में कड़ाके की ठंड का कहर लगातार जारी है। बुधवार को ठंड के कारण एक असहाय महिला की मौत हो गई। घटना रांची नगर निगम के वार्ड संख्या 18 अंतर्गत सेंटेबीटा अस्पताल के बगल में स्थित लग्न कॉम्प्लेक्स के सामने की है। जहां सुबह स्थानीय लोगों ने एक असहाय व्यक्ति का शव देखा।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के युवा समाजसेवी सबलू मुंडा को सूचित किया गया। सूचना मिलने पर श्री मुंडा अपने सहयोगियों के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने संबंधित लोअर बाजार थाना को मामले की जानकारी दी। सूचना पाकर लोअर बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। मानवीय पहल करते हुए समाजसेवी सबलू मुंडा ने अपने निजी खर्च पर मृतक के शव को रिम्स भेजने की व्यवस्था करवाई। उन्होंने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त

की और इसे प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न बताया।

इस अवसर परसबलू मुंडा ने रांची जिला प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि जब प्रशासन द्वारा शहर में असहाय लोगों के लिए रैन बसेरे और सोने की व्यवस्था की गई है, तो फिर लोग खुले में सोने को मजबूर क्यों हैं और ठंड से अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि रात्रि गश्ती के दौरान पुलिस बल को यह निर्देश दिया जाए कि वे असहाय लोगों को सुरक्षित व निर्धारित स्थानों पर विश्राम के लिए पहुंचाएं। साथ ही शहर के विभिन्न इलाकों में अलाव की पर्याप्त व्यवस्था की जाए, ताकि ठंड से और किसी की जान न जाए। इस कार्य में रवींद्र वर्मा (महामंत्री, रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति), राजेंद्र प्रसाद साहू (संयोजक), सुमित, विजय, अमित वर्मा, संजय सरकार, अमित राय, नितेश वर्मा, विक्की वर्मा, आर.सी. खान सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। घटना की जानकारी चडरी सरना समिति पूजा समिति के संरक्षक बबलू खान नेदिया द्वारा दी गई।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई युवक की मौके पर मौत

गुमला : गुमला जिले के डुमरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे ने एक युवक की जान ले ली। हादसा मंगलवार रात नटावल गांव के पास पहाड़ी इलाके में हुआ। मृतक की पहचान कांजी गांव निवासी अंजलैश मिंज (26) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अंजलैश मिंज बाइक से कहीं जा रहे थे और तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई।

टक्कर इतनी गंभीर थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और बाइक और उनका शरीर पेड़ पर ही टंग गया। हादसा देर रात हुआ, इसलिए तुरंत किसी की नजर नहीं पड़ी। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने सड़क किनारे युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा और पास जाकर देखने पर मृत होने की पुष्टि हुई।

ग्रामीणों ने तुरंत डुमरी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह बताया है। दुर्घटना के कारणों की पूरी जांच की जा रही है।

झारखंड में कड़ाके की सर्दी, खूंटी में बर्फ में तब्दील हुई ओस की बूंदे

रांची : पूरे झारखंड में हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। सभी जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया है। खूंटी, रांची, बोकारो, चाईबासा, डाल्टनगंज और लोहरदगा में शीतलहर चलने से जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है। इन जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक नीचे चला गया है। अस्पतालों में ठंड से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इस बीच मौसम केंद्र ने ठंड से बचाव को लेकर अलर्ट जारी किया है।

खूंटी में ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील : मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक पूरे राज्य में सबसे कम तापमान खूंटी में 2.1 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। यहां जबरदस्त शीतलहर चल रही है। हालत यह है कि खूंटी के मुरहू में ओस की बूंदे बर्फ में तब्दील हो गई। बुधवार की सुबह मुरहू के लोग जब नींद से जागे तो घास और गाड़ियों पर बर्फ की पतली चादर देखी। राहत की बात यह रही कि खूंटी में बुधवार को अच्छी धूप निकली है। फिर भी हवा में जबरदस्त नमी है।

सभी जिलों का न्यूनतम पारा लुढ़का : झारखंड के सभी जिलों का न्यूनतम पारा लुढ़का है। मौसम केंद्र, रांची की ओर से 7 जनवरी की सुबह जारी रिपोर्ट के मुताबिक खूंटी के बाद लोहरदगा में सबसे कम तापमान रिकॉर्ड हुआ है। यहां पारा 3.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इसके अलावा डाल्टनगंज में 4.1 डिग्री, सिमडेगा में 5.2 डिग्री, सरायकेला में 5.4 डिग्री, चाईबासा में 5.5 डिग्री, हजारीबाग में 5.5 डिग्री, रांची में 6.6 डिग्री, बोकारो में 6.7 डिग्री, पाकुड़ में 7.4 डिग्री, देवघर में 7.6 डिग्री, जमशेदपुर में 7.7 डिग्री, कोडरमा में 8.2 डिग्री और लातेहार में 8.6 डिग्री सेल्सियस पर पारा पहुंच गया है।

प्रमुख जिलों में अधिकतम तापमान का हाल : मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक चाईबासा में सबसे ज्यादा 24.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया है। दिन के वक्त सबसे ज्यादा सर्दी लातेहार, हजारीबाग, लोहरदगा, रांची, कोडरमा, गुमला, बोकारो और डाल्टनगंज में महसूस की जा रही है। यहां अधिकतम पारा में जबरदस्त कमी दर्ज हुई है। लातेहार में 17.0 डिग्री, हजारीबाग में 18.8 डिग्री, लोहरदगा में 19.0 डिग्री, रांची में 19.1 डिग्री, कोडरमा में 19.7 डिग्री, गुमला में 19.7 डिग्री, बोकारो में 20.1 डिग्री और डाल्टनगंज में 20.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा पाकुड़ में 21.3 डिग्री, देवघर में 21.3 डिग्री, खूंटी में 22.4 डिग्री, सिमडेगा में 22.8 डिग्री और जमशेदपुर में 23.5 डिग्री अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ है।

दतैल हाथी का तांडव : पति-पत्नी और तीन मासूमों की ले ली जान

संवाददाता

चाईबासा : जिले में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती देर रात चाईबासा के एक गांव में दतैल हाथी ने घुसकर एक ही परिवार के पांच लोगों की जान ले ली। इस दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी और उनके तीन मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार का एक बच्चा किसी तरह बचकर बाहर निकलने में सफल रहा।

परिवार पर हाथी का हमला : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय पूरा परिवार अपने घर के अंदर सो रहा था। देर रात जंगली हाथी अचानक गांव में घुस आया

और मकान को क्षतिग्रस्त करते हुए घर में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। हाथी के तांडव से घर पूरी तरह तबाह हो गया और परिवार के पांच सदस्यों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग पर आक्रोश : झुंड से बिछड़ा दतैल हाथी पिछले पांच दिनों में कई लोगों की जान ले चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग अब तक उसे जंगल में खदेड़ने के लिए ठोस कदम नहीं उठा पाया है। इस वजह से गांवों में दहशत का माहौल है। लोग शाम ढलते ही घर छोड़ जंगल की ओर चले जाते हैं और वहां मशाल जलाकर रात बिताकर हाथियों को खदेड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

विशेष टीम द्वारा हाथी को खदेड़ने का प्रयास : हाथी को उग्र होते देख वन विभाग ने पश्चिम बंगाल और गुजरात से टीम बुलाई है। यह टीम दतैल हाथी को जंगल में खदेड़ने के लिए जुटी हुई है। पिछले पांच दिनों से लगातार हाथियों के हमलों में लोगों की मौत से ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति गुस्सा भी देखा जा रहा है।

छत्तीसगढ़ : सुकमा में 26 माओवादियों का आत्मसमर्पण, सात महिलाएं भी शामिल

सुकमा । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को सात महिलाओं सहित कुल 26 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। ये कैडर पीएलजीए बटालियन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, माड़ डिवीजन और आंध्र-ओडिशा बॉर्डर क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। इन पर कुल 64 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण सुकमा पुलिस के रक्षित आरक्षी केंद्र में हुआ। मौके पर पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ सरकार की 'नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति- 2025' और सुकमा पुलिस के 'पूना मार्गेम अभियान' से प्रभावित होकर हुआ। इस अभियान का मतलब 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' है। पुलिस के लगातार ऑपरेशन और अंदरूनी इलाकों में नए सुरक्षा कैंप स्थापित होने से माओवादी संगठन कमजोर पड़ रहा है। इससे बाकी माओवादियों के लिए हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का रास्ता खुल रहा है।

आत्मसमर्पित कैडरों में विभिन्न रैंक के लोग शामिल हैं। इनमें एक सीवाईपीसीएम, एक डीवीसीएम, तीन पीपीसीएम, तीन एसीएम और 18 पार्टी मेंबर हैं। ये सुकमा, माड़ क्षेत्र और ओडिशा की सीमा से लगे इलाकों में कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे। इनमें सुरक्षा बलों पर हमले और आईईडी विस्फोट जैसी घटनाएं शामिल हैं, जिनमें कई जवान शहीद हुए।

आत्मसमर्पण करने वालों में लाली उर्फ मुचाकी आयते जैसी हाई प्रोफाइल महिला कैडर भी है, जो प्लाटून डिप्टी कमांडर रही और 10 लाख की इनामी थी। अन्य में हेमला लखमा, आसमिता उर्फ कमलू और कई युवा कैडर शामिल हैं, जो मिलिशिया या पार्टी मेंबर के तौर पर काम कर रहे थे।

इस सफलता में डीआरजी सुकमा, इंटेलिजेंस ब्रांच, सीआरपीएफ की विभिन्न बटालियनों और कोबरा की सूचना शाखा की अहम भूमिका रही। सरकार की नीति के तहत सभी आत्मसमर्पित कैडरों को 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि, घोषित इनाम और अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

सुकमा पुलिस नक्सल मुक्त बस्तर बनाने के संकल्प पर काम कर रही है। लगातार अभियान से दूरदराज के जंगली इलाकों में विकास पहुंच रहा है। यह आत्मसमर्पण माओवादी संगठन के अंत की ओर इशारा करता है। बाकी कैडरों से भी अपील की गई है कि हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति को चुनें।

ईरान में आर्थिक संकट को लेकर बवाल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 27 की मौत

तेहरान । हाल के दिनों में ईरान में हालात काफी बिगड़ गए हैं। आर्थिक हालात खराब होने और कई संकट एक साथ होने के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में अब तक कम से कम 27 लोगों की मौत की खबर है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मंगलवार रात ईरान के इलम प्रांत के अबदानान शहर में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरती दिखे। बीते एक हफ्ते में इस शहर में कई बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं।

वीडियो में देखा गया कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, लोग अपने परिवारों के साथ सड़कों पर मार्च कर रहे हैं और नारे लगा रहे हैं। इस दौरान ऊपर आसमान में हेलीकॉप्टर भी मंडराते दिखे। प्रदर्शनकारियों की संख्या वहां मौजूद सुरक्षा बलों से कहीं ज्यादा नजर आई।

नॉर्वे में स्थित एक मानवाधिकार संगठन के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 27 प्रदर्शनकारियों की जान चली गई है। इनमें 18 साल से कम उम्र के पांच बच्चे भी शामिल हैं। ईरानी सरकार ने यह भी माना है कि हिंसा में सुरक्षा बलों को भी नुकसान हुआ है। मंगलवार को एक पुलिसकर्मी के मारे जाने की पुष्टि की गई है। सरकारी मीडिया ने बताया कि अशांति के दौरान कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पहले मारे गए प्रदर्शनकारियों के अंतिम संस्कार के बाद हुई झड़पों में एक पुलिसकर्मी को गोली मार दी गई।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हफ्ते पहली बार सार्वजनिक रूप से इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कड़ा बयान देते हुए कहा कि उपद्रवियों को सख्ती से रोका जाना चाहिए। जिन इलाकों में 28 दिसंबर को सबसे पहले प्रदर्शन शुरू हुए थे, वहां अब भी तनाव बना हुआ है। उस दिन दुकानदारों ने अपने कारोबार बंद कर विरोध जताया था। मंगलवार को राजधानी तेहरान के कई बड़े व्यापारिक इलाकों में भी ऐसे ही प्रदर्शन देखने को मिले। इससे साफ है कि लोग बढ़ती महंगाई और सरकार की नीतियों को लेकर गुस्से में हैं। वीडियो सामने आने के बाद एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और यह दिखाता है कि सरकार विरोध को दबाने के लिए कितनी दूर तक जा सकती है। प्रदर्शन तेज होने के बीच, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने ईरानी लोगों से कार्रवाई के लिए अपनी पहली सीधी अपील जारी की। उन्होंने संदेश दिया ₹इस गुरुवार और शुक्रवार, 8 और 9 जनवरी को, आप जहां भी हों, ठीक रात 8 बजे से, चाहे सड़कों पर हों या अपने घरों में, मैं आपसे ठीक इसी समय नारे लगाना शुरू करने की अपील करता हूं। आपकी प्रतिक्रिया के आधार पर आगे का कदम तय किया जाएगा।₹

मौजूदा विरोध को ईरान में हाल के वर्षों का सबसे बड़ा आंदोलन माना जा रहा है। इससे पहले 2022 और 2023 में पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे, जो एक युवती की हिरासत में मौत के बाद शुरू हुए थे। उस युवती को महिलाओं के लिए सख्त ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

मां ही बच्चे की पहली शिक्षिका होती है : मंत्री

रांची : झारखंट सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने होटल चाणक्या बीएनआर में आयोजित बहुभाषी शिक्षा पर राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड भाषायी विविधता का जीवंत उदाहरण है, जहां कोस-कोस पर पानी बदले, दस कोस पर वाणी की कहावत पूरी तरह साकार होती है। उन्होंने कहा कि राज्य में पांच जनजातीय एवं चार क्षेत्रीय भाषाएं हैं और 24 जिलों को किसी एक भाषा में नहीं पिरोया जा सकता। बहुभाषी शिक्षा ही झारखण्ड की सांस्कृतिक पहचान, समावेशिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। ने मातृभाषा आधारित शिक्षा के वैज्ञानिक एवं भावनात्मक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मां ही बच्चे की पहली शिक्षिका होती है, इसी कारण मदर टंग की अवधारणा शिक्षा का मूल आधार है। यदि बुनियादी शिक्षा सरल, रोचक और व्यवहारिक नहीं होगी, तो वह केवल ब्लैकबोर्ड तक सीमित रह जाएगी और जागरूक नागरिकों का निर्माण नहीं कर पाएगी। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाएँ लुप्त होने के कगार पर हैं और बच्चों को उनकी अपनी भाषा में शिक्षा देना ही इन भाषाओं के संरक्षण का पहला और सबसे सशक्त प्रयास है।

समाचार सार

130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी पेश अल्ट्रा-प्रीमियम डिस्प्ले में नया मानक

रांची: सैमसंग ने सीईएस 2026 के तहत दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी पेश किया है, जिसे बड़े स्क्रीन टीवी की तकनीकी दिशा में एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में देखा जा रहा है। कंपनी के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट हुन ली ने कहा कि माइक्रो आरजीबी तकनीक के जरिये पिक्चर क्वालिटी को पहले से अधिक सटीक और स्वाभाविक बनाया गया है और यह मॉडल उसी सोच का विस्तार है। माइक्रो आरजीबी तकनीक के माध्यम से टीवी में रंगों की स्पष्टता, रोशनी-अंधेरे का संतुलन और बारीक डिटेल पर विशेष ध्यान दिया गया है, जबकि नई फ्रेम-आधारित डिजाइन और स्क्रीन के अनुरूप संतुलित ऑडियो सिस्टम इसे पारंपरिक टीवी से अलग बनाते हैं। एआई आधारित पिक्चर प्रोसेसिंग और रिफ्लेक्शन कम करने वाली तकनीक के साथ यह टीवी अल्ट्रा-प्रीमियम डिस्प्ले श्रेणी में पेश किए गए नए मॉडलों में शामिल है।

कम्बल का किया गया वितरण

रांची : वार्ड 22 के पार्षद प्रत्याशी मो असलम एवं अमन यूथ सोसाइटी ने गरीब जरूरतमंदों को कड़कती ठंड से बचाने के लिए कम्बल वितरण किया। आज दिनांक 07/01/2026 हिंदपीढ़ी हरिजन बस्ती स्थित वार्ड 22 के कार्यालय में 2000 कम्बल गरीब जरूरतमंदों के बीच वितरण किया गया इस कार्यक्रम में पूर्व वार्ड पार्षद 25 एवं भावी प्रत्याशी वार्ड 22 के मो असलम ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी कम्बल वितरण किया जा रहा है मैं पार्षद रहूं या नहीं पर सेवा भाव हमेशा रहेगा,वो चाहे पार्षद रह कर करूं या अमन यूथ सोसाइटी के माध्यम से सेवा करूं जनता के बीच हर मुश्किल वक्त में मैं खड़ा रहा हूं और रहूंगा आने वाले वक्त में वार्ड चुनाव होने जा रहा है और आप सभी से आज मैं यह वादा करता हूं कि भविष्य में वार्ड संख्या 22 को मॉडल वार्ड के रूप में विकसित करने का सपना लेकर चुनावी मैदान में उतरूंगा आप सभी आज मेरे साथ ये संकल्प ले कि मेरे इस सपने को साकार करने में आप मेरा सहयोग करेंगे,आगामी वार्ड चुनाव में विजय होने के बाद मेरी पहली प्राथमिकता अपने वार्ड क्षेत्र में एक अस्पताल का निर्माण हो इसका प्रयास रहेगा अगर आपने मजबूती के साथ मेरा साथ दिया तो यह मुमकिन हो सकता है,इस मौके पर निवर्तमान पार्षद नाजिया असलम,अमन यूथ सोसाइटी के नदीम इकबाल,मो एहसान,अब्दुल बारी,मो अकबर मुन्ना,हारून रसीद,मो इरशाद,मुनाजिर आलम,लड्डन जावेद,श्यामलाल गुप्ता,अनवर हुसैन, विलियम टोप्पो, हुस्ना बानो,असरफ अली,आरजू आलम,मो सईद अख्तर,मो नसीम,अमन यूथ सोसाइटी के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल रहे।

नितिन नबीन से मिले केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

रांची : भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात किया। विभिन्न सांगठनिक विषयों और सामाजिक मुद्दों पर उनसे सकारात्मक बातचीत हुई।

प्रो.वीपी शरण के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए सुबोधकांत सहाय

रांची : पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय मंगलवार को स्व. प्रोफेसर वीपी शरण के श्राद्धकर्म में शामिल हुए। श्री सहाय ने स्व. शरण को श्रद्धासुमन अर्पित किया व दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

वार्ड-3 में समस्याओं से रुबरु हुआ रांची सिटीजन फोरम

रांची : रांची सिटीजन फोरम की बैठक अध्यक्ष दीपेश निराला की अध्यक्षता में वार्ड-3 स्थित चिरौंदी के सारण कॉलोनी में हुई, जिसमें स्थानीय लोगों ने वार्ड 3 के विभिन्न समस्याओं से रांची सिटीजन फोरम के पदाधिकारियों को अवगत कराया वार्ड-3 एक अच्छा खासा क्षेत्रफल वाला जगह है जो की चिरौंदी, बोड़या, मोती मस्जिद, करमटोली चौक, लोक गेट नंबर 2 से लेकर मान्या प्लेस, मोराबादी मैदान, इत्यादि क्षेत्रों में फैला हुआ है। यह वार्ड फिलहाल महिला के लिए आरक्षित किया गया है। बैठक में अध्यक्ष दीपेश निराला, उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, सचिव रेणुका तिवारी, सहसचिव हरीश नागपाल और वार्ड-3 के स्थानीय संयोजक निशांत चौहान, राजेश कुमार, सहित सुजीत कुमार पांडेय, दिनेश कुमार राय, सरोज कुमार सिंह, मनजीत उपाध्याय, मेनका सिंह, शैलेंद्र सिंह, प्रशांत पोद्दार, आभा सिंह, प्रीति झा, मीनाक्षी शर्मा, अमृत पांडेय, रजनी कुमारी, प्रतिभा सिंह, किरण सिंह, सृष्टि सिंह, रिंकू अग्रवाल, सिंधु बाला, संतोष साहू, रामबाबू शाह, शशि कुमार, आयुष चौहान, आर्यन चंद्रवंशी, आनंद कुमार पांडेय, चेतन सिंह, राजू वर्मा, अनूप सिंह, अभिनव कुमार, संदीप सिंह, उपेंद्र, आभा, मनोज प्रजापति, किरण सिंह, रानी लिंडा, सुषमा सिंह, रीना सिंह, सीमा सिंह, दीपिका भट्टाचार्जी, अविनाश कात्यायन, स्मिता शुक्ला उपस्थित हुए।

झारखंड की विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा 2026 : हेमंत सोरेन

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री को सभी ने नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नववर्ष नया संकल्प, नई ऊर्जा तथा नए अवसरों को लेकर आता है। हम सभी लोग इस नववर्ष में सकारात्मक ऊर्जा एवं प्रतिबद्धता के साथ राज्य के सर्वांगीण विकास में अपनी महत्ती भूमिका निभाने को लेकर दृढ़ संकल्पित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 झारखंड की विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित हो, इस लक्ष्य के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ेगी।

शासन-प्रशासन और जनता के सहयोग से झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शुमार करने की दिशा में यह वर्ष एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध होगा। उन्होंने सभी लोगों से एकजुट होकर सरकार की विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से समस्त राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना की तथा नववर्ष की शुभकामनाएं दी। सीएम से इन अधिकारियों ने की मुलाकात

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों में राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह, जेएसएलपीएस के सीईओ अनन्य मित्तल, उद्योग विभाग की अपर सचिव प्रीति रानी, वित्त विभाग के अपर सचिव धनंजय सिंह, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अपर सचिव सीता पुष्पा, सामाजिक सुरक्षा निदेशक विजय सिंह, पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, सरायकेला-खरसावां उपायुक्त नीतीश सिंह, कोडरमा उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधिकारियों में होमगार्ड डीजी एमएस भाटिया, दुमका डीआईजी अमर लकड़ा, लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी, सरायकेला-खरसावां एसपी मुकेश लुनायत, गोड्डा एसपी मुकेश कुमार, गुमला एसपी हारिश बिन जमां, खूंटी एसपी मनीष टोप्पो, एसपी ट्रेनिंग सेंटर मुसाबनी विजय आशीष कुजूर सहित अन्य अधिकारी सम्मिलित थे।

वैश्य मोर्चा के 14 जिला प्रभारियों की घोषणा

तय कार्यक्रमों को सफल बनाने का निर्देश

संवाददाता

रांची: झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने अपने केंद्रीय पदाधिकारियों को जिला प्रभारी के रूप में आज घोषणा कर दी है. अभी 14 जिलों में प्रभारियों की घोषणा की गयी है. रांची जिला में हीरानाथ साहु (कार्यकारी अध्यक्ष), उपेन्द्र प्रसाद (उप प्रधान महासचिव) एवं चतुर साहु (केंद्रीय महासचिव) को प्रभारी बनाया गया है. रामगढ़ जिला में बीरेन्द्र कुमार (प्रधान महासचिव), अशोक गुप्ता (उप प्रधान महासचिव) एवं आदित्य नारायण प्रसाद (केंद्रीय महासचिव) को प्रभारी बनाया गया है. हजारीबाग जिला में ढ़लन साव (वरीय उपाध्यक्ष), अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद (वरीय उपाध्यक्ष), रामाशंकर राजन (केंद्रीय महासचिव) एवं बसंत प्रसाद साहु (केंद्रीय संगठन सचिव) को प्रभारी बनाया गया है. बोकारो जिला में दिनेश्वर मंडल (केंद्रीय उपाध्यक्ष), रामेश्वर मंडल (केंद्रीय महासचिव) एवं करण मंडल (उपाध्यक्ष, युवा मोर्चा) को प्रभारी बनाया गया है. गिरिडीह जिला में रामेश्वर मंडल (केंद्रीय महासचिव) को प्रभारी बनाया गया है. देवघर जिला में विष्णु मंडल (केंद्रीय महासचिव) एवं गजेंद्र केशरी (प्रमंडल महासचिव) को प्रभारी बनाया गया है. दुमका जिला में प्रमोद चौधरी (केंद्रीय उपाध्यक्ष) को प्रभारी बनाया गया है. चतरा जिला में राजेंद्र साहु (केंद्रीय सचिव) एवं श्रीमती प्रीति साहा (केंद्रीय सचिव, महिला मोर्चा) को प्रभारी बनाया गया है. लातेहार जिला में प्रेमशंकर भगत (केंद्रीय उपाध्यक्ष), मुरलीधर प्रसाद (केंद्रीय संगठन सचिव) एवं पवन कुमार (केंद्रीय सदस्य) को प्रभारी बनाया गया है. लोहरदगा जिला में जगदीश साहु (केंद्रीय संगठन महासचिव), उपेन्द्र प्रसाद (उप प्रधान महासचिव) एवं युगेश प्रजापति (उपाध्यक्ष, छात्र मोर्चा) को प्रभारी बनाया गया है. खूंटी जिला में राजन चौधरी (केंद्रीय उपाध्यक्ष), कृष्णा प्रसाद साहु) एवं कुमार चाणक्य (प्रवक्ता, छात्र मोर्चा) को प्रभारी बनाया गया है. पश्चिमी सिंहभूम जिला में अनंतलाल विश्वकर्मा (कार्यकारी अध्यक्ष) को प्रभारी बनाया गया है. धनबाद जिला में श्रीमती रेखा मंडल (कार्यकारी अध्यक्ष) को प्रभारी बनाया गया है. गुमला जिला में युवराज कुमार (अध्यक्ष, छात्र मोर्चा) एवं मनोज चौरसिया (सचिव, छात्र मोर्चा) को प्रभारी बनाया गया है.

केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने सभी प्रभारियों से कहा है कि वे संबधित जिला के अध्यक्ष एवं उक्त जिले में निवास करने वाले केंद्रीय पदाधिकारियों और सदस्यों से मिलकर सांगठनिक सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ केंद्रीय समिति द्वारा घोषित कार्यक्रमों के आलोक में कार्य शुरू कर दें. घोषित कार्यक्रमों की सफलता ही आपके पद की गरिमा को बढ़ाएगी और संगठन को मजबूत बनाने में मदद मिलेगा।

मुख्यमंत्री से मिले पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय व कांग्रेस नेत्री यशस्विनी सहाय

मेट्रो रेज

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय व कांग्रेस नेत्री यशस्विनी सहाय ने शिष्टाचार भेंट कर नववर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री की पत्नी व गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित थीं।

वीबी-जी राम जी मजदूरों के अधिकारों पर प्रहार : विजय शंकर

रांची : झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जहां आदिवासी और भूमिहीन मजदूरों की आजीविका मुख्य रूप से कृषि और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है। वहां रोजगार की गारंटी न केवल एक योजना है, बल्कि जीवन का आधार है। उक्त बातें कांग्रेस नेता विजय शंकर नायक ने कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2005 में संसद से पारित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने लाखों मजदूरों को कानूनी रूप से 100 दिनों का रोजगार प्रदान कर उनकी गरिमा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की। लेकिन भाजपा सरकार की नई योजना, वीबी-जी राम जी (वीबी-ग्राम रोजगार गारंटी मिशन), जो मूल रूप से मनरेगा का एक पुनर्नामकरण और संशोधित रूप है। यह मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। यह योजना सतही तौर पर रोजगार के अवसरों का वादा करती है, लेकिन वास्तव में यह मजदूरों की कानूनी सुरक्षा को छीनकर उन्हें सरकारी कृपा पर निर्भर बनाती है।

जी राम जी योजना को लेकर जनता को गुमराह कर रही कांग्रेस : बाबूलाल मरांडी

रांची : झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में ह्यविकसित भारत-जी राम जीह्ल योजना मील का पत्थर साबित होगी और यह महात्मा गांधी के रामराज्य के सपनों को जमीन पर उतारेगी। उन्होंने मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस पर निशाना साधा।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस खुद भ्रम, हताशा और निराशा की स्थिति में है, इसलिए वह ह्यविकसित भारत-जी राम जीह्ल योजना को लेकर जनता को गुमराह कर रही है। मरांडी ने कहा कि कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि ह्यविकसित भारत-जी राम जीह्ल का लक्ष्य गांव-गरीब, किसान, मजदूरों का कल्याण और भ्रष्टाचार-मुक्त ग्राम विकास है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा लंबे समय तक भ्रष्टाचार और लूट का केंद्र बना रहा। झारखंड सहित देश के कई राज्यों में मनरेगा घोटाले सामने आए। खूंटी जिले में 24 करोड़ रुपए के गबन में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के जेल जाने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी 23 राज्यों में कागजों पर ऐसे कार्य दिखाए गए, जिनका जमीनी अस्तित्व नहीं था। श्रम आधारित कार्यों में मशीनों के इस्तेमाल और 40 प्रतिशत तक कमीशनखोरी की शिकायतें भी उजागर हुईं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद केवल 7.61 प्रतिशत परिवार ही 100 दिन का रोजगार पूरा कर सके। हालांकि, मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में पारदर्शिता बढ़ाने के कई प्रयास किए, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ी और सक्रिय श्रमिकों की संख्या 12.11 करोड़ तक पहुंची, लेकिन डिजिटल भुगतान के बावजूद गड़बड़ियां जारी रहीं। मरांडी ने कहा कि इन्हीं अनुभवों के आधार पर ह्यविकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)ह्ल नामक नया अधिनियम लाया गया है, जो 20 वर्ष पुराने मनरेगा का विकसित और व्यापक स्वरूप है। इसके तहत अब 100 के बजाय 125 दिन का रोजगार सुनिश्चित किया गया है। योजना में जल संरक्षण, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, रोजगार सृजन से जुड़े निर्माण और पर्यावरणीय सुरक्षा जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस किया गया है। पारदर्शिता के लिए एआई आधारित धोखाधड़ी पहचान, जीपीएस मोबाइल निगरानी, साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण और पंचायत स्तर पर सोशल ऑडिट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि कृषि सीजन में 60 दिन की ह्यनो वर्क अवधिह्ल रखी गई है ताकि मजदूर खेती में लग सकें, जबकि शेष अवधि में 125 दिन का रोजगार और काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। केंद्र और राज्य सरकार का व्यय अनुपात 60:40 रहेगा। मरांडी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस को गांव, गरीब और मजदूरों के हित में सुधार से परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर योजना की खूबियां बताएंगे और कांग्रेस के दुष्प्रचार का जवाब देंगे।

लापता अंश-अंशिका की खोज मौसीबाड़ी के हर घर में, हर किसी से हो रही पूछताछ

मेट्रो रेज

रांची। जगन्नाथपुर मौसीबाड़ी के मल्लार कोचा से लापता अंश और अंशिका का मंगलवार को 5वें दिन भी कोई सुराग नहीं मिला। एस्बेस्टस के मकान में रहने वाली नीतू के पति संजू यादव दूध का कारोबार करते हैं। मंगलवार को एसएसपी, सिटी एसपी सहित कई पुलिस अधिकारी पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और जानकारियां ली। रांची पुलिस की ओर से मंगलवार को हाउस सर्च अभियान चलाया गया। हटिया डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने मल्लार कोचा जगन्नाथपुर खटाल में स्थित एक-एक घर की तलाशी ली। पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों से बच्चों के बारे में पूछताछ भी की।

पुलिस को संदेह है कि क्षेत्र के लोग ही बच्चों को छुपाकर अपने घर में रखे हुए हैं। हालांकि, कई घरों की तलाशी के बाद भी पुलिस को बच्चे नहीं मिले। एसएसपी और ग्रामीण एसपी भी बच्चों के परिजनों से मिले और उन्हें आश्वासन दिया कि वे जल्द ही दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लेंगे। बच्चे के पिता सुनील ने बताया कि बच्चों की कोई जानकारी नहीं मिली है। पूरा परिवार परेशान है। उनकी किसी से कोई दुश्मनी और विवाद नहीं है। पिता ने आरोप लगाया कि घटना के बाद पुलिस अगर गंभीर होती तो शायद उनका बच्चा अब तक मिल गया होता। पुलिस चौथे दिन गंभीर हुई है और तत्परता से खोजबीन शुरू की है। धरना पर

बैठे लोग, आश्वासन पर हटे दूसरी ओर, आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोग मंगलवार को सड़क पर उतर आए। धुर्वा शहीद मैदान शेख भिखारी चौक के पास धरना दिया। धरने में दोनों बच्चों के पिता सुनील यादव और मां नीतू देवी भी पहुंचीं। नीतू भले ही धरना पर बैठीं, लेकिन निगाहें अपने बच्चों को तलाश रही थी। एक बार वह बेहोश होकर गिर पड़ीं तो लोगों ने संभाला। धरना स्थल पर जुटे लोगों ने प्रशासन से बच्चों को अविलंब सुरक्षित बरामद करने की मांग की। राष्ट्रीय जनता दल के नेता कैलाश यादव ने कहा कि शीघ्र बच्चों की बरामदगी नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हालांकि, एसएसपी राकेश रंजन, ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर और डीएसपी पीके मिश्रा के आश्वासन के बाद लोग धरने से हटे। मां खुद को कोस रही- बिस्कुट लाने नहीं भेजता तो बच्चे साथ होते मां के आंसू थम नहीं रहे हैं। मां नीतू मंगलवार को अपने घर में बैठी थीं, लेकिन निगाहें दरवाजे पर ही थी। मंगलवार को जब भी कोई घर में आता तो नीतू दौड़ते हुए दरवाजे के बाहर देखने आ जाती कि उनके बच्चे लौटे हैं या नहीं। नीतू घर आए लोगों से पूछती हैं कि उनके बच्चे का कुछ पता चला या नहीं। कोई जवाब नहीं मिलने पर फूट-फूटकर रोने लगीं। मां ने कहा कि उनके बच्चों ने किसी का क्या बिगाड़ा था। आसपास के लोग और रिश्तेदार उन्हें दिलासा देते रहे कि भगवान पर भरोसा रखो, दोनों बच्चे जल्द मिल जाएंगे। इसके बाद नीतू शांत होकर चौंकी पर बैठ गई, मगर उनकी आंखों से आंसू थम नहीं रहे थे। नीतू ने कहा कि काश दोनों बच्चों को वह बिस्कुट लाने के लिए दुकान नहीं भेजते तो बच्चे आज उनके साथ ही रहते। रोते हुए नीतू भगवान से अपने बच्चों को लौटाने की गुहार लगा रही थी। यह दृश्य देखकर न सिर्फ रिश्तेदार बल्कि पड़ोसियों की भी आंखें नम हो गईं। नीतू की हालत ऐसी है कि वह न तो ठीक से खाना खा पा रही है और न ही सो रही है। वे कह रही हैं कि बच्चों ने तो खाना नहीं खाया होगा। 51 हजार इनाम की घोषणा रहस्मय तरीके से गायब दो मासूम भाई-बहन की खोज में रांची पुलिस का पूरा महकमा लगा हुआ है, लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी दोनों बच्चों का कोई सुराग तक नहीं मिल पाया है। रांची पुलिस ने बच्चों को खोज निकालने के लिए इनाम की राशि की घोषणा भी कर दी है। बच्चों का पता बताने वाले को 51 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। बच्चों की तस्वीर और पुरस्कार राशि के साथ रांची के विभिन्न इलाकों में पोस्टर चस्पा किए गए हैं।

विद्युत शुल्क अधिनियम पर ऐतिहासिक फैसला

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने विद्युत शुल्क अधिनियम से संबंधित एक ऐतिहासिक निर्णय में वर्ष 2021 में लाए गए संशोधन अधिनियम एवं उससे संबंधित नियमों को निरस्त कर दिया है। इस संशोधन के तहत विद्युत शुल्क को नेट चार्जेस के आधार पर वसूलने की व्यवस्था की गई थी, जिसे न्यायालय ने असंवैधानिक ठहराया है। न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि विद्युत शुल्क केवल यूनिट (बिजली खपत) के आधार पर ही लगाया जा सकता है, किसी अन्य शुल्क या नेट चार्जेस के आधार पर नहीं। इस निर्णय के परिणामस्वरूप वर्ष 2021 के संशोधन के तहत की गई विद्युत शुल्क वसूली को अवैध माना गया है। इस फैसले से राज्य के उद्योग, व्यापार एवं आम बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी तथा अवैध रूप से वसूले गए विद्युत शुल्क के संबंध में रिफंड का मार्ग प्रशस्त हुआ है। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने झारखंड उच्च न्यायालय के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह फैसला राज्य के उद्योग एवं व्यापार जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दावोस और लंदन दौरे की तैयारियों की सीएम ने की समीक्षा

पहली बार वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भागीदारी करेगा झारखंड

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल दावोस एवं यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर जा रही है। 18 से 26 जनवरी 2026 तक प्रस्तावित इस दौरे की तैयारियों को लेकर मंगलवार शाम मुख्यमंत्री आवास पर समीक्षा बैठक हुई।

इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों के बीच दौरे से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने इस दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उनके नेतृत्व में झारखंड से 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की वार्षिक बैठक में सहभागी बनेगा। यह पहला अवसर होगा जब झारखंड का प्रतिनिधिमंडल वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे वैश्विक मंच पर भाग लेगा। राज्य के लिए यह एक

ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। इस सम्मेलन में विश्व के प्रमुख निवेशक, उद्योगपति एवं गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता होगी।

अधिकारियों ने बताया कि दावोस में प्रस्तावित बैठकों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से झारखंड की खनिज संपदा, औद्योगिक ढांचा, सतत विकास आधारित दृष्टिकोण, पर्यटन क्षमता तथा निवेश की विविध संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में विभागीय तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को यह भी बताया गया कि दावोस यात्रा के बाद प्रतिनिधिमंडल यूनाइटेड किंगडम (लंदन) का दौरा करेगा। लंदन दौरे के दौरान संस्थागत, शैक्षणिक एवं निवेश-उन्मुख सहयोग, नीति एवं ज्ञान आधारित संवाद, तथा भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संवाद प्रस्तावित हैं।

यह अंतरराष्ट्रीय दौरा राज्य में निवेश आकर्षित करने, औद्योगिक विकास को गति देने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। दावोस एवं यूनाइटेड किंगडम प्रवास के दौरान उद्योगपतियों, निवेशकों एवं संस्थागत प्रतिनिधियों के साथ संवाद के माध्यम से दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय इस दौरे को बताया महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि निवेश के दृष्टिकोण से राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल का यह अंतरराष्ट्रीय दौरा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकार की ओर से सभी तैयारियाँ समन्वित, प्रभावी एवं सुव्यवस्थित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने तथा बहुराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग के नए अवसर सृजित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दावोस एवं यूनाइटेड किंगडम का यह प्रस्तावित दौरा राज्य में निवेश एवं विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मंगलवार देर शाम तक चली इस बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, मंत्रिमंडल सचिव प्रशांत कुमार, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण सचिव कृपानंद झा, उद्योग सचिव अरवा राजकमल, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, खान एवं भू-तत्व विभाग के निदेशक राहुल सिन्हा, प्रबंध निदेशक, जियाडा वरुण रंजन, निदेशक उद्योग विशाल सागर, निदेशक आईपीआरडी राजीव लोचन बक्शी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा रांची महानगर ने रांची नगर निगम के समक्ष किया प्रदर्शन

संवाददाता

रांची : भाजपा रांची महानगर की ओर से बुधवार को रांची नगर निगम कार्यालय के समक्ष नगर निकाय चुनाव की तिथि अविलंब घोषित करने तथा दलीय आधार पर चुनाव कराए जाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक नगर निगम परिसर के बाहर एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जानबूझकर नगर निकाय चुनाव में देरी कर रही है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हो रही है और आम जनता को स्थानीय स्तर पर चुने हुए जनप्रतिनिधियों का लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि नगर निकाय चुनाव शीघ्र कराए जाएं, ताकि नगर निगम की कार्यप्रणाली सुचारु रूप से चल सके।

इस विरोध प्रदर्शन में रांची नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों से निवर्तमान पार्षदों एवं उनके समर्थकों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। सभी ने एक स्वर में चुनाव में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की।

महाधरना में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए समय पर चुनाव कराना सरकार की जिम्मेदारी है। नगर निकाय चुनाव में हो रही देरी जनता के अधिकारों का हनन है, जिसे भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी।

इसके अलावा कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू सहित कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही नगर निकाय चुनाव की तिथि घोषित नहीं की गई, तो भाजपा आंदोलन को और तेज करेगी।

प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन भाजपा नेताओं ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

रांची में पत्रकारों पर जानलेवा हमला सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

संवाददाता

रांचीः राजधानी में अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ खत्म होता दिख रहा है। कहीं खुलेआम लोगों को सड़कों पर कुचलकर मार दिया जा रहा है तो कहीं से मासूम बच्चे गायब हो जा रहे हैं। ताजा मामला रांची के दो पत्रकारों का हैं। मंगलवार की रात अखबार के दफ्तर से वापस घर लौट रहे दो पत्रकारों पर लूटपाट के दौरान जानलेवा हमला किया गया। हमले में एक पत्रकार गंभीर रूप से घायल है।

क्या है पूरा मामला : सोमवार की देर रात रांची के सदर थाना क्षेत्र के सुभाष चौक के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दैनिक अखबार के दो मीडिया कर्मियों पर बाइक सवार दो असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। घटना मंगलवार की रात दो बजे के आस पास की है। दोनों पत्रकार अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे, तभी बाइक सवार युवकों ने रास्ते में रोककर छिनतई का प्रयास किया। इसके विरोध करने पर अपराधियों ने जानलेवा हमला कर दिया। दोनों अपराधियों ने एक पत्रकार को अपने कब्जे में ले लिया। जबकि दूसरा उनके कब्जे से निकलने में कामयाब हो गए। इस दौरान दोनों अपराधियों ने एक पत्रकार के साथ मारपीट की। गनीमत थी कि दूसरे पत्रकार ने दौड़कर स्थानीय लोगों से मदद मांग ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने साहस और एकजुटता के साथ दोनों हमलावरों का पीछा किया। जहां कुछ ही दूरी पर लोगों ने उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया और बिना किसी हंगामे के पुलिस को सौंप दिया। स्थानीय लोगों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बड़ी वारदात टल गई। क्योंकि इसी इलाके में पूर्व में अपराधियो के द्वारा एक पत्रकार की हत्या कर दी गई थी।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना : पत्रकारों पर हमले की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें अपराधी पत्रकार के साथ बुरी तरह से मारपीट करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जिस समय पत्रकारों पर हमला हुआ और लूटपाट हुई, उस समय वहां कोई पुलिस पेट्रोलिंग मौजूद नहीं थी। जबकि कोकर इलाके में आधा दर्जन के करीब मीडिया के दफ्तर हैं, जिसमें देर रात तक काम होता है। इसके बावजूद इलाके में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है।

सुभाष चौक कोकर के पास लूटपाट की कोशिश, दो आरोपी गिरफ्तार

रांची : सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाष चौक, कोकर के पास देर रात लूटपाट की कोशिश का मामला सामने आया है। घटना 07 जनवरी 2026 को रात्रि लगभग 01:00 बजे की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुकेश कुमार (पिता-सीताराम यादव), मूल निवासी सनथाली, जसीडीह, देवघर एवं वर्तमान पता सुभाष चौक, कोकर, थाना-सदर, जिला-रांची, ड्यूटी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुभाष चौक के पास एक दोपहिया वाहन पर सवार दो व्यक्तियों ने उनके साथ मारपीट की और मोबाइल फोन व नकदी छीनने का प्रयास किया।

घटना के संबंध में सदर थाना कांड संख्या-06/25, दिनांक 07.01.2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2)/115(2)/117(2)/109(1)/304(2)/62 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल दोपहिया वाहन सहित दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार की गई है—

गिरफ्तार आरोपी :

ऋषभ कुमार (उम्र-23 वर्ष), पिता-दीपक कुमार, पता-गोह सरैया, थाना-गोह, जिला-औरंगाबाद (बिहार)।

मनीष कुमार (उम्र-23 वर्ष), पिता-राजेश महतो, पता-तोपा तोयरा, थाना-मांडू, जिला-रामगढ़। दोनों आरोपियों का वर्तमान पता तिरिल, नियर तालाब के पास, थाना-सदर, जिला-रांची बताया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की प्रक्रिया की जा रही है।

रांची को मिलेगी पहली आधुनिक मल्टी-लेवल पार्किंग की सौगात

रांची : रांची में बढ़ते यातायात दबाव और पार्किंग संकट के स्थायी समाधान की दिशा में रांची नगर निगम ने एक अहम कदम बढ़ाया है। शहर में पहली बार पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आधुनिक मल्टी-लेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। यह परियोजना अपर बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

इसी क्रम में मंगलवार को बकरी बाजार स्थित निगम की 1।28 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित मल्टी-लेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स को लेकर निगम प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में अभियंत्रण शाखा के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एजेंसी द्वारा परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण के अनुसार प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स में 314 कार पार्किंग स्लॉट, 25 ट्रक पार्किंग, आधुनिक शौचालय, विश्राम गृह, सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त सोलर लाइटिंग, हरित क्षेत्र एवं प्लांटेशन के साथ पूरे परिसर के समग्र विकास का ब्लूप्रिंट शामिल रहा।

जन्म-मृत्यु निबंधन में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : डीसी

रांची। नागरिक निबंधन प्रणाली को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से रांची जिला प्रशासन द्वारा जीवनांक (जन्म-मृत्यु) सीआरएस पोर्टल पर तीन दिवसीय जिलास्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। समाहरणालय में आयोजित प्रशिक्षण में जन्म-मृत्यु निबंधन से जुड़े पदाधिकारियों और कर्मियों ने भाग लिया।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–रसना देवी, उम्र–27 वर्ष, उँचाई–4 फीट, 8 ईंच, रंग–साँवला, पहनावा–गेहुँआ रंग का साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला रसना देवी, उम्र–27 वर्ष, पिता–स्व0 कार्तिक महतो, सा0–बड़ाईटाँड़, थाना–सोनाहातु, जिला–राँची जो दिनांक–09.11.2025 को घर से बगैर बताए कहीं चली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में सोनाहातु थाना सनहा संख्या–07/2025, दिनांक–23.11.2025 दर्ज कर इनकी खाजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
अनु पु0 पदा0 बुण्डु, राँची। –9431706144
थाना प्रभारी, सोनाहातु, राँची। –9431706192

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR.NO.370126 Police(25-26):D

आरपीएफ मुरी ने नाबालिग बालक को किया सुरक्षित रेस्क्यू

रांची : मंडल सुरक्षा आयुक्त, रांची मंडल श्री पवन कुमार के निदेर्शानुसार रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया जा रहा है। इसी क्रम में आरपीएफ मुरी की टीम ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत एक नाबालिग बालक को सुरक्षित रेस्क्यू कर सराहनीय कार्य किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 06 जनवरी 2026 को उप निरीक्षक रवि शंकर, आरपीएफ/मुरी, अपने तीन स्टाफ सदस्यों के साथ ट्रेन संख्या 13351 एक्सप्रेस (मुरी-राउरकेला) में ट्रेन एस्कॉर्टिंग ड्यूटी पर तैनात थे। ड्यूटी के दौरान चाइल्ड लाइन, रांची से सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन में एक नाबालिग बालक संकट की स्थिति में पाया गया है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरपीएफ टीम ने जांच की, जिसमें कोच संख्या र-4 में एक नाबालिग बालक मिला। बालक की पहचान ऋषव कुमार (उम्र लगभग 13 वर्ष), पिता हेम नारायण पंडित, निवासी गली संख्या-02, लक्ष्मी नगर, रातू, थाना पंडरा, जिला रांची के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान बालक ने बताया कि उसे रातू ओटीसी मैदान से दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कथित रूप से अपहरण कर हटिया रेलवे स्टेशन लाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई। आरपीएफ एवं जीआरपी राउरकेला के समन्वय से राउरकेला रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के सभी कोचों की सघन तलाशी ली गई, हालांकि संदिग्ध अपहरणकताओं का पता नहीं चल सका। इसके पश्चात आरपीएफ एवं जीआरपी राउरकेला की उपस्थिति में नाबालिग बालक को चाइल्ड लाइन, राउरकेला के समन्वयक को सुरक्षित रूप से सुपुर्द किया गया, ताकि उसे आवश्यक देखभाल, संरक्षण, परामर्श एवं आगे की कानूनी प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। हैंडओवर के समय बालक पूरी तरह सुरक्षित एवं स्वस्थ पाया गया। इस सराहनीय कार्य में उप निरीक्षक रवि शंकर, स्टाफ एपी साहू, यूके निषाद तथा सोमवीर की भूमिका उल्लेखनीय रही। आरपीएफ की इस तत्परता से एक नाबालिग की जान सुरक्षित हो सकी, जिसकी स्थानीय लोगों एवं प्रशासन द्वारा सराहना की जा रही है।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा 9 से

रांची : पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 9 से 11 जनवरी तक आयोजित तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने बताया कि श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर मे 9 व 10 जनवरी तक अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा स्वामी सदानंद जी महाराज अपने सुमधुर वाणी से प्रवचन एवं भजन सुनायेंगे। बैठक के अंत में समाजसेवी भागचंद पोद्दार की आकस्मिक निधन पर गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया गया। वहीं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि भागचंद पोद्दार का संपूर्ण जीवन समाज सेवा, परोपकार,धार्मिक कार्यों और मानवीय मूल्यों को समर्पित रहा। उनके निधन से समाज ने एक सच्चे मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और करुणामय व्यक्तित्व को खो दिया है। बैठक में-ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, सचिव मनोज चौधरी,पूरणमल सर्राफ,शिव भगवान अग्रवाल नंदकिशोर चौधरी, सुनील पोद्दार, सुरेश अग्रवाल, सुरेश चौधरी, संजय सर्राफ,दीपेश निराला, विष्णु सोनी, सुरेश भगत, अंजनी अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश शर्मा आदि उपस्थित थे।

श्री श्याम मंदिर में हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 186 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। मंडल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने अखंड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य संपन्न करवाएं। श्री श्याम सेवा परिवार के भक्तों ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा, गुड़, चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। भक्तों ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत व ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, अशोक लड़ियां, अंकित सिंह, संकेत चौधरी, ऋषभ चौरसिया, हर्ष मिश्रा, प्रणव पांडे, तुषार खेतान, ईशानी गुप्ता, रेनू अग्रवाल, शिवानी चौधरी, अंशु जायसवाल, प्रिया अग्रवाल, विधि कुमारी, शिल्पी बरनवाल, शिल्पी यादव, खुशी महतो आदि भक्त उपस्थित थे। यह जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

जनता दरबार से आमजनों को मिली त्वरित राहत

संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार जिले के सभी प्रखंडों एवं अंचलों में प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में मंगलवार को जिले के विभिन्न अंचलों में आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन किया गया।

अंचल कार्यालय सोनाहातू में चिरगाडीह पंचायत की यमुना देवी को पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र तथा बुद्धेश्वर पुरान को आचरण प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। सिल्ली अंचल के तिरगा ग्राम की नीलम देवी को पारिवारिक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अनगड़ा अंचल अंतर्गत बरवादाग अंचल के आवेदक दुलाल महतो द्वारा पंजी-2 में सुधार के लिए दिए गए आवेदन का निष्पादन किया गया। इसी अंचल के चिलदाग ग्राम के विनोद कुमार महतो एवं जमल मुंडा के पंजी-2 सुधार संबंधी आवेदनों का भी निस्तारण किया गया। साथ ही चिलदाग सोसो ग्राम के राजू कुमार एवं ग्राम जराटोली के मार्शल उरांव के शुद्धि पत्र में जाति सुधार किया गया।

मांडर अंचल में आयोजित जनता दरबार में आवेदिका बेबी कुमारी एवं गुलशन खातून को जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। नगड़ी अंचल के ग्राम टुण्डूल की दीपिका को लगान रसीद प्रदान की गई।

चान्हो अंचल में दाखिल-खारिज, पंजी-2 सुधार, पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, आवासीय/जाति/आय प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा सहित कुल 89 आवेदनों का निष्पादन किया गया। वहीं बेड़ो में 136, राहे में 95, सिल्ली में 51, अरगोड़ा में 72, बुढ़मू में 66, खलारी में 24 तथा बुंडू में 43 आवेदनों का निष्पादन किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य अंचलों में भी कई आवेदनों का समाधान किया गया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का समाधान समय पर पारदर्शी तरीके से हो। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और अधिक से अधिक आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित करें।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–अनिता कुमारी ओझा, उम्र–19 वर्ष, उँचाई–4 फीट, 8 ईंच, रंग–साँवला,
पहनावा–गेरून रंग का कुर्ती एवं किंग रंग का पायजामा पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला अनिता कुमारी ओझा, उम्र–19 वर्ष, पिता–प्रमानन्द ओझा सा0–नया टोली सोमल्या, थाना–रातु, जिला–राँची जो दिनांक–23.12.2025 को घर से बगैर बताए कहीं चली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में कोतवाली थाना सनहा संख्या–20/2025, दिनांक–25.12.2025 दर्ज कर इनकी खाजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली, राँची। –9431770077
थाना प्रभारी, कोतवाली, राँची। –9431706158

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 370105 Police(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भारत के परमाणु भंडार पर ऐसा क्या हुआ, हिले चीन और पाकिस्तान

युद्ध वही जीतता है जो युद्ध से पहले डर पैदा कर दे और आज की दुनिया में यह डर किसी सेना से नहीं परमाणु ताकत से पैदा होती है। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया। लेकिन यह जीत किसी क्रिकेट मैच या फिर अर्थव्यवस्था की रैंकिंग भी नहीं है। यह रेस है तबाही के सबसे बड़े हथियार यानी कि परमाणु बम की। इस बार फर्क सिर्फ संख्या में नहीं रणनीति का है। दूसरा विश्व युद्ध जापान के हिरशिमा और नागासाकी में हुआ। अमेरिका के दो परमाणु बम, लिटिल बॉय और फैट मैन पूरे शहर राख बन गए। लाखों लोग मारे गए। जो बचे वो पीढ़ियों तक बीमारियों से जूझते रहे। आज भी वहां परमाणु तबाही के निशान मौजूद हैं। इसके बावजूद दुनिया ने परमाणु हथियारों से दूरी नहीं बनाई बल्कि एक नई परमाणु रेस शुरू कर दी है। दावा किया जाता है कि परमाणु हथियार युद्ध रोकते हैं क्योंकि कोई भी देश इतना बड़ा जोखिम नहीं लेगा। सच्चाई यह है कि अगर यह हथियार चले तो युद्ध नहीं पूरी मानवता खत्म हो जाएगी। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी कि एसआईपीआरआई सिपरी ने अपनी 2025 की रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में जनवरी 2025 तक दुनिया के परमाणु हथियारों की पूरी तस्वीर सामने आई। सिप्री के मुताबिक भारत के पास 180 परमाणु हथियार, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार, चीन के पास लगभग 600 परमाणु हथियार, रूस के पास 5459 और अमेरिका के पास 5177। यानी अमेरिका सबसे आगे है। चीन भले ही भारत से बहुत आगे है लेकिन भारत उतनी ही तेजी से परमाणु हथियार डेवलप कर रहा है।' साफ है भारत और पाकिस्तान संख्या में करीब-करीब बराबर है या फिर आसपास है लेकिन चीन बहुत आगे निकल चुका है। अब फिर भी भारत कैसे आगे? क्योंकि कहा जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया। क्योंकि परमाणु ताकत सिर्फ गिनती से नहीं मापी जाती है। असल पैमाना है कितनी तेजी से हथियार इस्तेमाल हो सकता है। कितनी दूर तक मार कर सकते हैं। कितने सुरक्षित और भरोसेमंद है और यहीं से भारत की रणनीतिक बढ़त शुरू हो जाती है। सिप्री की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2024 में परमाणु हथियारों में गुणात्मक बदलाव किया। भारत की नीति थी परमाणु हथियार अलग, लांचर अलग, शांति काल में अलग-अलग भंडार। लेकिन अब मिसाइलें कैनिस्टर्स में सील होती है। हमेशा तैयार रहती हैं। जल्दी लॉन्च होती है। ज्यादा सुरक्षित होती हैं। इसका मतलब तेज परमाणु प्रतिक्रिया दुश्मन को कोई मौका नहीं मिलेगा और भरोसेमंद डेट्रेंस। यहीं पर भारत को पाकिस्तान पर बढ़त मिल जाती है। पाकिस्तान को लेकर दुनिया भर में एक सवाल हमेशा उठता है, क्या पाकिस्तान के परमाणु हथियार सुरक्षित हाथों में है?

वेनेजुएला संकटः अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडे. हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये। अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है। दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां ह्यलोकतंत्र स्थापनाह्ल के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है। इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रूवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेजुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है।

गिग-वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

> यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

ललित गर्ग

ऑनलाइन बाजार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना दस मिनट में डिलीवरी और एक क्लिक पर सुविधा की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाजार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि जरा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के जरिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोजमर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन। इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है। निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि मजबूरी में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें स्वतंत्र कामगार कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे। भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल कागजी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल डिलीवरी बॉय नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि नीति-निमार्ता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यमुना बची तो दिल्ली भी बच जाएगी

> दिल्ली के पास अपना कुछ भी नहीं है। पहाड़ों पर ठंडी बढ़ती है तो दिल्ली ठिठुरने लगती है और राजस्थान के रेगिस्तान तपते हैं तो दिल्ली तपती है। दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की आबादी भी अपनी नहीं है। देश भर से लोग रोजगार और कारोबार आदि के लिए दिल्ली आकर बसते रहे हैं। दिल्ली को प्रकृति ने तीन अनमोल तोहफे दिए, जिससे दिल्ली बार-बार राजधानी बनती रही।

मनोज कुमार मिश्र

विकास के नाम देश की राजधानी के विनाश के एक प्रयास पर उच्चतम न्यायालय ने अपने ही फैसले को पलटकर रोक लगा दी। इस फैसले से अब दिल्ली को कुछ हरा-भरा रखने में अपनी भूमिका निभाने वाली अरावली पर्वतमाला के खनन पर पूरी तरह से रोक लगी रहेगी। दिल्ली के पास अपना कुछ भी नहीं है। पहाड़ों पर ठंडी बढ़ती है तो दिल्ली ठिठुरने लगती है और राजस्थान के रेगिस्तान तपते हैं तो दिल्ली तपती है। दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की आबादी भी अपनी नहीं है। देश भर से लोग रोजगार और कारोबार आदि के लिए दिल्ली आकर बसते रहे हैं। दिल्ली को प्रकृति ने तीन अनमोल तोहफे दिए, जिससे दिल्ली बार-बार राजधानी बनती रही। उसमें यमुना नदी और दिल्ली के असंख्य तालाब, नहर और बावड़ी इत्यादि को तो विकास के विनाशकारी मॉडल ने बर्बाद कर दिया।

अगर भविष्य में भी अरावली पर्वतमाला न बच पाई को दिल्ली में प्रदूषण और जल संकट ही नहीं दिल्ली को उजड़ने से कोई रोक नहीं पाएगा। मौजूदा केन्द्र और दिल्ली की सरकार यमुना बचाने का संकल्प दुहराती रही है। इस दिशा में प्रयास तो दिख रहे हैं, सभी को नतीजों का इंतजार है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद अनुपम मिश्र ने अपनी चर्चित पुस्तक-आज भी खरे हैं तालाब, के संदर्भ ग्रंथों के हवाले से बताया है कि दिल्ली के 1930 के दुर्लभ नक्शे में उस समय तालाब और कुओं की गिनती करीब 350 की संख्या छूती थी। उससे भी पहले यह संख्या हजार में थी। आज दिल्ली में गिनती के तालाब बचे हैं। दिल्ली में राज करने वाली सरकारें पुराने तालाबों, झीलों, बावड़ियों और नहरों इत्यादि को पुनर्जीवित करने का दिखावा सा करती है। यह इसलिए भी आसान नहीं लगता क्योंकि ज्यादातर तालाब, झील आदि पर अवैध कालोनियां बस चुकी हैं। यह सार्वजनिक तथ्य है कि दिल्ली महानगर अपनी जरूरत का केवल 15 फीसदी पानी अपने श्रोत से नहीं जुटा पाता। पानी के लिए पूरी तरह से गंगा और यमुना नदी पर दिल्ली निर्भर है। दिल्ली में 1993 में विधानसभा बनने के बाद बनी पहली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने अनशन करके यमुना के पानी में राज्यों की तरह हिस्सा लिया था। गंगा नदी से तय पानी आ ही रहा है। यमुना जल समझौता होने के समय दिल्ली में पानी की मांग छह सौ एमजीडी (मिलियन गैलन रोजाना) थी। आज यह मांग करीब 1300 एमजीडी है। पानी की उपलब्धता करीब 800 एमजीडी है। यह भी तब जब काफी इलाकों में पानी की लाइन नहीं है और लोग टैंकरो से बड़ी कठिनाई से पानी ले पाते हैं। यमुना साफ करके दिल्ली का अपना जलाशय बनाना तो सपना है। यमुना को साफ करने के शुरूआती प्रयास में बड़े नालों को साफ करना और इंटरसेप्टर प्लान से जोड़ने का प्रयास हुआ। अब दिल्ली में खेती की जमीन केवल बाहरी दिल्ली यानी हरियाणा के सीमा से लगे गांवों में है। उन इलाकों में भी तेजी से अतिक्रमण हो रहा है। कांग्रेस सरकार में 56 किलोमीटर नजफगढ़ नाले को ढांसा से ककरौला तक तीस किलोमीटर ज्यादा गहरा करके उसमें बरसाती पानी इकट्ठा करने का प्रयास किया गया। यह नाला ढांसा से शुरू होकर वजीराबाद में यमुना में गिरता है। शुरूआती प्रयास से ढांसा के आसपास के आठ किलोमीटर इलाके में धान की फसल अच्छी हुई। इससे जुड़ने वाली तीन नहरें- पालम, मूंगेशपुर और छुटानी-भूपानी में पानी छोड़ने से 60 से70 गांवों को पानी दिया दया। अगर इसकी 10 फीट गहरी खुदाई हो जाए तो पूरे नजफगढ़ इलाके के सारे गांवों को पानी मिलने लगेगा। दिल्ली में सिंचाई के लिए शेरशाह सूरी ने अपने समय में पश्चिमी यमुना नहर बनवाई थी। उसी ने कृषि में राजस्व प्रणाली की शुरूआत की। उस नहर से दो उप नहर निकाली गई, जिनसे उत्तर पश्चिम दिल्ली में अलीपुर और कंझावला विकास खंड के 125 गांवों में सिंचाई होती थी। राजधानी का शहरीकरण होने के बाद सिंचाई का रकबा घटता गया। अब अलीपुर और कंझावला में ही करीब बीस गांवों में खेती होती है। दिल्ली 1911 में देश की राजधानी बनी। तब दिल्ली में 365 गांव थे। ढाका धीरपुर में जार्ज पंचम का दरबार लगा। वहीं दिल्ली को राजधानी बनाने की घोषणा हुई। 1912 में पुराना सचिवालय बना तो चंद्रावल गांव खत्म हो गया। सरकारी कर्मचारियों के लिए तीमारपुर गांव की जमीन पर कालोनी बनी। 1947 में देश का बंटवारा हुआ और शाहजहानाबाद (दिल्ली का पुराना नाम जो चारदीवारी से घिरा हुआ था) ने देहात को निगलना शुरू किया। सरकार ने तो एक योजना बनाकर लोगों को बसाया लेकिन उससे ज्यादा को भू-माफिया और पुलिस- प्रशासन की मिलीभगत से अवैध कालोनियां बसी। वोट की राजनीति में ऐसे लोगों को विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं का संरक्षण मिलता रहा। इन अवैध निर्माण से उन्हें वोट और नोट दोनों ही मिलते रहे हैं। कई भू -माफिया तो सरकारी जमीन कौन कहे ऐतिहासिक धरोहरों पर कब्जा करके उसपर कालोनी बसा दी। कई माफिया को पैसे के बल पर विभिन्न दलों से टिकट पाकर लोकसभा और विधानसभा में पहुंच गए। अब कहने भर के 200 गांव बचे हैं, लेकिन तालाब गायब हो गए। 1993 में ग्राम पंचायतों के आखिरी चुनाव के समय 199 पंचायतें थी। अस्सी के दशक तक दिल्ली में छह हजार निजी और 250 सरकारी ट्यूबवैल थे। नजफगढ़ और महरौली इलाके में रहट (कुओं से ऊंट, बैल आदि के माध्यम से पानी निकालना), चरस (आदमी खींचते थे।) और कच्चे कुएं से भी सिंचाई की जाती थी।

दिल्ली को भौगोलिक हिसाब से तीन क्षेत्रों में बांटा जाता है। मेहरौली यानी दक्षिणी दिल्ली में पहाड़ी इलाकों को पहाड़, नजफगढ़ यानी पश्चिमी दिल्ली को डाबर और यमुना दी तलहटी यानी उत्तर पश्चिम दिल्ली को बांगड़। नजफगढ़ इलाके का आकार झील जैसा था इसलिए इसके मूल स्वरूप को बचाने के लिए नजफगढ़ नाला बनाया गया। उसके साथ हरियाणा से लगे गांवों में सिंचाई के लिए छुटानी -भूपानी नाला, बवाना इलाके के लिए मूंगेशपुर नाला और पालम इलाके के लिए पालम नाला बनाया गया। इसमें बस्ती का गंदा पानी नहीं जाता था केवल बाढ़ का पानी जाता था। बाद में सारी व्यवस्था अतिक्रमण के सिरे चढ़ती गई। दिल्ली में कांग्रेस की सरकार में विकास मंत्री रहे डॉक्टर योगानंद शास्त्री ने तब 70 बड़े तालाबों के स्थान को चिह्नित करके उसे विकसित करने का प्रयास किया था। तभी भलस्वा झील और संजय झील से अतिक्रमण हटाने के प्रयास हुए। उसके बाद भी बरसाती पानी बेकार न चला जाए इसके लिए प्रयास तो किए गए लेकिन न तो अतिक्रमण हटाए गए और न ही नए स्थानों पर होने वाले अतिक्रमण को रोका गया। परिणाम यही हुआ कि दिल्ली के पानी के स्रोत समाप्त होते गए। आबादी बढ़ने से पानी की जरूरत बढ़ती गई और दिल्ली अपने संसाधन से प्रयाप्त पानी नहीं जुटा पाती है। इसलिए दिल्ली पानी के लिए भी पड़ोसी राज्यों पर पूरी तरह से निर्भर हो गई है। सभी को पता है कि पानी का संकट उन राज्यों में भी उतना ही है जिनसे दिल्ली को पानी मिल रहा है। भले ही यह इतिहास में दर्ज हो गया लेकिन यह तो सत्य है कि चांदनी चौक की मुख्य सड़क मुगल काल में नहर थी और उसके एक सिरे पर बने लाल किला की दीवार से लग कर यमुना नदी बहती थी। यमुना नदी बची तो दिल्ली पानी और पर्यावरण दोनों मामलों में काफी बच जाएगी लेकिन अगर युद्धस्तर से दिल्ली अपना जल स्त्रोत नहीं विकसित कर पाई तो उसका संकट बढ़ता ही जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने एक संकट से फिलहाल दिल्ली को उबारा लेकिन पानी के मोर्चे पर सरकारों की कठिन परीक्षा होनी है। उन्हें अपनी प्राथमिकता और विकास की परिभाषा तय करनी होगी।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

तिरुपति बालाजी से जगन्नाथ पूरी तक

भगवान विष्णु, भगवान शंकर और ब्रह्मदेव को त्रिदेव कहा जाता है। वहीं भगवान श्रीहरि विष्णु को जगत का पालनहार भी कहा जाता है। भारत में भगवान विष्णु को समर्पित कई प्रसिद्ध मंदिर हैं। श्रीहरि विष्णु के इन प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन करने मात्र से जातक को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत में स्थित भगवान विष्णु के प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके दर्शन का सौभाग्य आपको जरूर प्राप्त करना चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर

उड़ीसा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर भगवान विष्णु के फेमस मंदिरों में शामिल है। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक फैली है। यह मंदिर भगवान श्रीहरि विष्णु के रूप

में जगन्नाथ भगवान को समर्पित है। पुरी मंदिर में होने वाली वार्षिक रथ यात्रा काफी ज्यादा फेमस है। भगवान जगन्नाथ के मंदिर में कई चमत्कार होते हैं, जो सभी को हैरान कर देते हैं। इस मंदिर में ध्वज हमेशा हवा की विपरीत दिशा में लहराता है।
मंदिर की कभी छाया नहीं दिखती और मंदिर की रसोई में सात मिट्टी के बर्तनों में एक के ऊपर एक रखकर खाना पकाया जाता है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि सबसे ऊपर रखे बर्तन में सबसे पहले खाना पकता है।

तिरुपति बालाजी

भगवान विष्णु के प्रसिद्ध मंदिरों में तिरुपति बालाजी मंदिर भी शामिल है। यह आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमाला की पहाड़ियों पर स्थित है। तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान विष्णु की पूजा श्रीवेंकटेश्वर स्वामी के रूप में की जाती है। इसलिए यह मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर के नाम से जाना जाता है। मंदिर को लेकर धार्मिक मान्यता है कि कलियुग में भगवान श्रीहरि विष्णु इसी स्थान पर निवास करते हैं। माना जाता है कि श्री वेंकटेश्वर की मूर्ति पर लगे बाल असली हैं, जोकि कभी नहीं उलझते हैं और हमेशा मुलायम बने रहते हैं।

पद्मनाभस्वामी मंदिर

पद्मनाभस्वामी मंदिर भगवान पद्मनाभस्वामी को समर्पित है। पद्मनाभस्वामी भगवान श्रीहरि विष्णु के अवतार माने गए हैं। पद्मनाभस्वामी मंदिर केरल राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित है। दूर-दूर से श्रद्धालु मंदिर में भगवान पद्मनाभस्वामी के दर्शन के लिए आते हैं। पद्मनाभस्वामी मंदिर को दुनिया का सबसे धनी मंदिर माना गया है।

गुरुवायुर मंदिर

बता दें कि केरल राज्य के त्रिशूर जिले में गुरुवायुर मंदिर स्थित है। इस मंदिर को दक्षिण की द्वारका के नाम से भी जाना जाता है। गुरुवायुर मंदिर से भक्तों की अटूट श्रद्धा जुड़ी हुई है। यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण के बालरूप गुरुवायुरप्पन को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मंदिर का निर्माण देवगुरु बृहस्पति के द्वारा किया गया था। गुरुवायुर मंदिर की खासियत है कि सूर्यदेव की किरणें सबसे पहले भगवान गुरुवायुर के चरणों पर गिरती है।

टिप्स

कम चीनी बच्चों को देती है स्वस्थ भविष्य

कुछ दशकों पहले तक जो बीमारियां उम्र बढ़ने के साथ हुआ करती थीं। वह बीमारियां अब कम उम्र के लोगों और बच्चों को भी अपना शिकार बना रही हैं। यह वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट कम उम्र से ही स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। बता दें कि बच्चों का खानपान, खासकर अधिक शुगर और नमक का सेवन कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। शोध बताते हैं कि बच्चों के खाने में शुगर की अधिकता जैसे चॉकलेट, बिस्किट और जूस आदि उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है।

अगर समय रहते इसको कंट्रोल न किया जाए, तो इससे कई गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। ऐसे में अगर आपका लाडला बच्चा भी अगर चीनी वाली चीजों का अधिक सेवन कर रहा है, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए, क्योंकि यह गंभीर बीमारियों को न्योता देने जैसा है।

ज्यादा चीनी बच्चों की सेहत के लिए हानिकारक

अध्ययनों से यह पता चलता है कि अधिक चीनी का सेवन करने से बच्चों में बार-बार बीमार पड़ने, एकाग्रता की कमी, मोटापा, हाइपरएक्टिविटी, प्रतिरोधक क्षमता की कमजोरी, दांतों की सड़न और डायबिटीज जैसी बीमारियों का जोखिम बढ़ाता है। वहीं पैक्ड फूड्स में भी हाई कैलोरी और हाई शुगर होती है, जिसको बच्चे काफी ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन लंबे समय तक इन चीजों का सेवन करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

गिरिडीह पुलिस के कब्जे में आया आर्म्स सप्लायर राजकुमार

जमुआ गोलीकांड में सात गिरफ्तार

संवाददाता

गिरिडीहः जमीन की खरीद फरोख्त को लेकर जमुआ के भूपतडीह में हुए गोलीकांड का खुलासा गिरिडीह एसपी डॉ। बिमल कुमार की टीम ने किया है। टीम ने इस मामले में कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से तीन देसी पिस्टल, 23 जिंदा कारतूस, तीन मैगजीन के अलावा घटना में प्रयुक्त कार तथा दो बाइक बरामद हुई है।

हथियार के साथ सात अपराधी गिरफ्तार

मामले में जमुआ के द्वारपहरी निवासी रामू साव, द्वारपहरी (भरकट्टा ओपी) के ही विजय साव, संजय कुमार उर्फ संजय मंडल एवं पंकज यादव उर्फ कारू यादव, जमुआ के जोरासांख निवासी अमित कुमार उर्फ अमित वर्मा को गिरफ्तार किया गया है। इन पांचों के अलावा मुफ्फसिल थाना इलाके के कुसुम्भा निवासी नारायण मंडल एवं गपैय निवासी राजकुमार मंडल को भी गिरफ्तार किया गया है। इसकी पुष्टि खुद एसपी ने की है।

अपराधियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन

एसपी ने बताया कि भूपतडीह में गोली चलने की सूचना मिली थी। सूचना यह भी मिली थी कि फायरिंग करने के दरमियान भाग रहा अभियुक्त रामू साव, खुद के पिस्टल से जख्मी हो गया। ऐसे में खोरीमहुआ के एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद की अगुवाई में टीम का गठन किया गया। टीम ने जांच शुरू की तो यह पता चला कि खुद की पिस्टल से घायल हुआ रामू साव, धनबाद में इलाजरत है। अब रामू साव के अलावा अन्य अपराधियों की खोजबीन शुरू की गई।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से हथियार बरामद

इसी बीच गुप्त सूचना पर ग्राम जरूवाडीह के नजदीक जंगल में छापामारी की गई। यहां जंगल में एक कार मिली, जिसके अंदर बैठे 5 लोगों को बाहर निकाला गया। कार से गिरफ्तार किए गए विजय साव नाम के युवक के पास से एक लोडेड देसी पिस्टल की मैगजीन में 3 जिंदा कारतूस, संजय कुमार उर्फ संजय मंडल के पास से 2 जिंदा राउंड, अमित कुमार उर्फ अमित वर्मा के पास से एक लोडेड देसी पिस्टल, जिसकी मैगजीन में 2 जिंदा कारतूस, पंकज यादव उर्फ कारू यादव के पास से 3 राउंड जिंदा कारतूस, नारायण मंडल के पास से 1 खाली मैगजीन एवं 10 राउंड जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

राजकुमार ने मुहैया कराया था हथियार

एसपी ने बताया कि उन पांचों के अलावा राजकुमार मंडल को भी पकड़ा गया। यहां पूछताछ करने पर पता चला कि राजकुमार द्वारा ही इन सभी को हथियार मुहैया कराया जाता था। इसके बाद अभियुक्त विजय साव की निशानदेही पर कार के डैशबोर्ड से रामू साव द्वारा घटना में इस्तेमाल की गई एक देसी पिस्टल एवं मैगजीन में 3 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

हत्या मामले में एक दशक तक जेल में था राजकुमार

हथियार सप्लाई करने में जिस राजकुमार मंडल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वह सजायाफ्ता रहा है। गिरिडीह कोयलांचल के चर्चित बोदी मंडल हत्याकांड में राजकुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। एक दशक से अधिक समय जेल में बिताने के बाद अपील बेल पर वह हाल के कुछे साल से बाहर था। अब उसकी गिरफ्तारी आर्म्स सप्लायर के तौर पर हुई है। ऐसे में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

छापमारी टीम में अधिकारी एवं कर्मी शामिल

टीम में जमुआ सर्किल इंस्पेक्टर प्रदीप दास, जमुआ थाना प्रभारी विभुति देव, पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार, भरकट्टा ओपी प्रभारी अमन कुमार, नवडीहा ओपी प्रभारी दीपक कुमार के अलावा अवर निरीक्षक रोहित कुमार सिंह, सअनि वेद प्रकाश पाण्डेय, सुमित कुमार सिंह, तकनिकी शाखा के जोधन कुमार तथा राजेश गोप के अलावा आरक्षी संदीप करमाली, दिनेश शामिल थे। पुलिस ने बताया कि रामू के खिलाफ 6 के करीब कांड, विजय पर भी पांच मामला दर्ज है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार रामू साव के खिलाफ जमुआ थाना कांड संख्या – 180/05, दिनांक–07 ।10 ।05 धारा–392 भादवि, जमुआ थाना कांड संख्या –32/05, दिनांक– 27 ।02 ।05 धारा–395 भादवि, जमुआ थाना कांड संख्या 56/07, दिनांक– 15 ।03 ।07 धारा– 395 भादवि, जमुआ थाना कांड संख्या–212/11, दिनांक–08 ।09 ।11 धारा–302/23 भादवि एवं 27 आर्म्स एक्ट, जमुआ थाना कांड संख्या –03/2026, धारा–115 (2) / 118 (1)/126(2)/109/111(3)/351(2) /3(5) बीएनएस 2023 एवं 27 आर्म्स एक्ट तथा जमुआ थाना कांड सं0–04/2026, दिनांक– 06 ।01 ।2026, धारा–25 (1–इ) ( )/26/35 शस्त्र अधिनियम जबकि विजय साव के खिलाफ बिरनी थाना कांड सं। 0–168/24, जमुआ थाना कांड संख्या –49/24, जमुआ थाना कांड संख्या–316/25, जमुआ थाना कांड संख्या–03/2026 और 4/2026 दर्ज है। इसी तरह अमित कुमार के खिलाफ बिरनी थाना कांड संख्या 320/20, जमुआ थाना कांड सं0–03/2026 और 4/2026 अंकित है।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंजःबरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सिंगा मैदान में आदिवासी डेवलप्मेंट क्लब द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेट मैच का फाइनल मैच बी ऐस के बरहरवा बनाम ऐम ऐम स्पोर्टिंग क्लब रांची के बीच खेला गया।इस फुटबॉल के महाकुंभ फाइनल मैच के मुख्य अतिथि झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा,बोरियों विधायक धनंजय सोरेन, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम ने दोनों फाइनल खेलने वाले खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए फुटबॉल को किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया।बताते चलें कि सभी अतिथियों को ऐ डी सी के अध्यक्ष राजाराम मरांडी के नेतृत्व में ऐ डी सी के सदस्यों द्वारा बारी बारी से अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।फाइनल मैच बहुत ही शानदार रहा।दोनों टीमों बराबरी पर रहा अंत में फैसला पेनाल्टी शूटआउट के जरिए हुआ।जिसमें ऐम ऐम स्पोर्टिंग क्लब रांची की टीम एक गोल से विजेता बना।विजेता टीम को पांच लाख रुपए सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम और उपविजेता टीम को इनामी राशि चार लाख रुपए पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम,मोहम्मद अली,एजाज अंसारी ने देकर पुरस्कृत किया।सेमीफाइनल में हारने वाली टीम को एक-एक लाख रुपए प्रखंड समिति द्वारा देकर पुरस्कृत किया मैन ऑफ द सीरीज ऐच ऐफ डीलक्स मोटरसाइकिल बीएसके के खिलाड़ी समीर बेसरा को दिया गया। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी सचिव मुजिबुर रहमान,निमाय चंद्र शील,ऐ डी सी के सचिव पुसा टुडू,लुखीराम हेंब्रम,कोषाध्यक्ष बाबूलाल सोरेन,छवि हेंब्रम,मोहम्मद अली,वंशज परिवार के रूपचंद मुर्मू,एजाज अंसारी,जिसू मरांडी,सुनील मरांडी,शाम हेंब्रम,मरांग हेंब्रम,विनय सोरेन,बहादुर टुडू,देव सोरेन सहित अन्य मौजूद थे।

मुख्यालय तक बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंजःविद्युत आपूर्ति प्रमंडल के प्रांगण में मंगलवार को विद्युत अधीक्षण अभियंता डॉ नाथन रजक व विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभू नाथ चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई।बैठक में सहायक विद्युत अभियंता शहरी ज्ञानचंद, ग्रामीण सहायक विद्युत अभियंता शिवम पांडे,राजमहल सहायक विद्युत अभियंता पूरण कुमार घासी,बरहरवा सहायक विद्युत अभियंता सत्यम कुमार मरांडी,उधवा कनीय विद्युत अभियंता चंदन कुमार,जूनियर मैनेजर जयकुमार, राजस्व शाखा से संजीत कुमार,अन्य कर्मचारी व कार्यकारी एजेंसी ने भाग लिया।इस दौरान बिलिंग एवं राजस्व को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। पदाधिकारियों ने बकाया बजली बिल संग्रहण,अधिक बकाएदारों का कनेक्शन काटने,प्रखंड से मुख्यालय तक बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

चोरों ने बायसी मंदिर में की चोरी

संवाददाता

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र के संत जेवियर स्कूल के निकट स्थित बायसी मंदिर में एक बार फिर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।चोरी की वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मंदिर कमिटी के अनुसार बायसी मां के पैरों के पायल की चोरी हुई है।इधर नगर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने बताया कि इस मामले में अभी तक मंदिर कमिटी ने कोई सूचना पुलिस को नहीं दी है।

टोटो की बैट्री चोरी मामले में पुलिस ने दो युवक गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुल्ली भट्ठा व टमटम स्टैंड के पास से टोटो की बैट्री चोरी मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है।इस मामले में चंदन मंडल ने आवेदन देकर पुलिस से इसकी शिकायत की थी।जिसके बाद पुलिस ने थाना कांड संख्या 01/26 दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही थी।इस दौरान पुलिस ने बड़तल्ला निवासी बिट्टू साहनी व महादेवगंज निवासी अनीस मंडल को गिरफ्तार किया है।वहीं पुलिस ने उनके पास से टोटो की 6 बैटरी सहित एक टोटो बरामद किया है।नगर थाना से जारी रिलीज के अनुसार 5 जनवरी को टमटम स्टैंड के।पास से एक टोटो से बैटरी की चोरी हुई थी।पुनः 6 जनवरी की सुबह गुल्ली भट्ठा जद्दू मोड़ के पास से एक टोटो से बैटरी चोरी करते हुए बिट्टू साहनी व अनीस मंडल को पकड़ा गया। उनके पास से गुल्ली भट्ठा,जद्दु मोड़ से चोरी दो बैटरी व चोरी में प्रयुक्त टोटो बरामद किया गया।बाद में दोनों की निशानदेही पर टमटम स्टैंड से चोरी की गई टोटो की बैटरी दुसाध पाड़ा के कबाड़ी के यहां से बरामद किया गया। बिट्टू साहनी पहले भी चोरी मामले में जेल जा चुका है।

गढ़वा में सेलिब्रेटी की तरह हुआ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का स्वागत

खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में उत्साह

संवाददाता

गढ़वाः सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद इस ऐतिहासिक उपलब्धि को पूरे झारखंड में जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ट्रॉफी का राज्यव्यापी भ्रमण कराया जा रहा है। झारखंड के बीस जिलों का भ्रमण पूरा करने के बाद मंगलवार को यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी गढ़वा जिला मुख्यालय पहुंची। यहां ट्रॉफी का भव्य स्वागत किया गया।

ट्रॉफी के मंच पर आते ही जमकर हुई आतिशबाजी

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के दो वरिष्ठ सदस्य ट्रॉफी लेकर गढ़वा पहुंचे। ट्रॉफी के आगमन पर बिरसा मुंडा पार्क एवं हेलीपेड स्थित नाट्य ऑडिटोरियम मंच पर भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इससे पूर्व गढ़वा जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राज माहेश्वरम एवं उनके टीम द्वारा ट्रॉफी का स्वागत किया गया और गाजे-बाजे, आतिशबाजी और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच ट्रॉफी को मंच तक लाया गया।

गढ़वा में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं

वहीं समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त गढ़वा दिनेश यादव एवं एएसपी (अभियान) राहुल देव बड़ाईक समेत गढ़वा के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा ट्रॉफी को खिलाड़ियों के बीच प्रदर्शित किया गया, जिससे उपस्थित खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी दिनेश यादव ने खिलाड़ियों से संवाद करते हुए कहा कि गढ़वा में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और जिला प्रशासन द्वारा खेल आधारभूत संरचना के विकास के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

उपायुक्त ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल के साथ-साथ पढ़ाई भी उतनी ही आवश्यक है, इसे कभी भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। आज के समय में खेल के क्षेत्र में भी उज्ज्वल भविष्य और अनेक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें तथा उनकी रुचि के अनुसार सही मार्गदर्शन दें।

विधायक निसात आलम ने कांग्रेस झारखंड प्रभारी व सहप्रभारी से की मुलाकात

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक सह साहिबगंज एवं पाकुड़ जिला कांग्रेस की प्रभारी निसात आलम ने झारखंड कांग्रेस प्रभारी सह एआईसीसी सचिव के राजू एवं सह प्रभारी डॉक्टर श्रीबेला प्रसाद भूपेंद्र मरावी से मुलाकात किया।इस मुलाकात के दौरान पाकुड़ साहिबगंज जिले में कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा किया गया।विधायक सह पाकुड़ और साहिबगंज जिला प्रभारी निसात आलम ने बताया कि पाकुड़ और साहिबगंज जिला कांग्रेस की प्रभारी मुझे नियुक्त किया गया है जिसे लेकर प्रभारी ने संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने का दिशा निर्देश दिया है।उनके प्राप्त दिशा निदेश के आलोक में हमारे जिला व प्रखंड पंचायत स्तर के कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी में संगठन से जुड़े कार्यकताओं को सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है ताकि हमारे सरकार के महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ सभी को मिल सके विधायक ने बताया कि आज हमारे क्षेत्र साहिबगंज और पाकुड़ में करोड़ों रुपए की लागत से विभिन्न योजनाओं का काम चल रहा है पुल पुलिया सड़क का काम भी चल रहा है हमारे क्षेत्र के विकास की गति कम नहीं होगी इसी विकास के गति को लेकर हमारे कार्यकर्ता लोगों के बीच पहुंचेंगे और संगठन से लोगों को जोड़ेंगे ताकि आने वाले दिनों में इसका लाभ हम लोगों को मिल सके।

न्यूज IN ब्रीफ

सेविका बहाली को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त को दिया आवेदन

साहिबगंज/मंडरोःप्रखंड अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका बहाली को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त को आवेदन समर्पित किया है।जिसमें ग्रामीणों ने आदिम जनजाति पहाड़िया बाहुल्य एरिया के आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित सेविका व सहायिका की बहाली करने शादी-शुदा पहाड़िया बहु-बेटी का ही चयन करने,बिना शादी शुदा को प्राथमिकता नहीं देने ग्राम प्रधान की उपस्थिति में ग्रामसभा करने व बाल विकास पदाधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों ने आवेदन की प्रतिलिपि डीडीसी,एसडीओ व जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को प्रेषित की है।मौके पर ग्राम प्रधान मैसा पहाड़िया,चंदू पहाड़िया सुरजा पहाड़िया,लखमा पहाड़िया,चुलमा पहाड़िया सहित ग्रामीण मौजूद थे।

जल प्रकाश वनस्पति और जीव एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं : छात्र

साहिबगंजःसेंत जेवियर्स स्कूल साहिबगंज में जीवविज्ञान विभाग की शिक्षिका भवप्रीता के मार्गदर्शन में कक्षा 8 ह्यएह्न के विद्यार्थियों ने शीतकालीन अवकाश के दौरान अपनी द्वितीय परियोजना के रूप में मानव निर्मित पारिस्थितिकी तंत्र विषय पर एक प्रभावशाली और सारगर्भित मॉडल तैयार किया।इस परियोजना में विद्यार्थियों ने कृत्रिम जलप्रपात,जलाशय एक्वेरियम, जलीय जीव,पौधे,चट्टानें और प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से एक संतुलित मानव निर्मित पारिस्थितिकी तंत्र को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।मॉडल यह स्पष्ट करता है कि जल प्रकाश वनस्पति और जीव एक-दूसरे पर किस प्रकार निर्भर होते हैं इन सभी के संतुलन से ही कोई भी पारिस्थितिकी तंत्र स्थिर और जीवंत बना रहता है।परियोजना के माध्यम से जैव विविधता के महत्व को सरल और व्यवहारिक रूप में समझाया गया।विद्यार्थियों ने यह प्रदर्शित किया कि सीमित स्थान और संसाधनों में भी विविध जीवों के लिए उपयुक्त वातावरण विकसित किया जा सकता है।यह प्रस्तुति पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सतत विकास की सोच को मजबूती से सामने लाती है।यह गतिविधि विद्यार्थियों की रचनात्मकता,समूह कार्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दशार्ती है तथा यह सिद्ध करती है कि प्रयोगात्मक शिक्षण से विषय की समझ अधिक गहरी और प्रभावी बनती है।परियोजना में सहभागी विद्यार्थी कुमार आशुतोष,मयंक प्रसाद,अक्षत चौधरी,आदित्य कुमार,देवाशीष मुंडा,मो।जुनैद अली,अभिनव चौधरी,अभिज्ञान कुमार पाठक एवं हादी खान मौजूद थे।

बमामाईंस दुर्गा पूजा मैदान को पार्किंग बनाने का भाजपा ने किया विरोध

पूर्वी सिंहभूम : बमामाईंस क्षेत्र में बढ़ते धूल प्रदूषण, भारी वाहनों की लगातार आवाजाही और जाम की गंभीर समस्या से आम लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इन समस्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर ने टाटा स्टील प्रबंधन और जिला प्रशासन से ठोस एवं तत्काल कार्रवाई की मांग की है। भाजपा ने बमामाईंस जाने वाली सड़क और बमामाईंस गोलचक्कर के अविलंब चौड़ीकरण की आवश्यकता बताते हुए कहा कि बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी के कारण क्षेत्रवासियों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने इस संबंध में बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर टाटा स्टील प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील प्रबंधन बमामाईंस क्षेत्र में मनमाने ढंग से निर्णय ले रहा है। विभिन्न कंपनियों की बड़ी गाड़ियों के लिए क्षेत्र में पहले से ही पांच पार्किंग स्थल बनाए जा चुके हैं, इसके बावजूद बमामाईंस की बस्तियों के लिए एकमात्र ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थल दुर्गा पूजा मैदान को पार्किंग स्थल में बदलने की साजिश रची जा रही है, जो पूरी तरह अनुचित और जनभावनाओं के खिलाफ है। सुधांशु ओझा ने कहा कि वर्षों से दुर्गा पूजा मैदान बमामाईंस वासियों की आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का केंद्र रहा है। यह मैदान केवल पूजा-पाठ का स्थल नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र है। ऐसे पवित्र और ऐतिहासिक स्थल पर पार्किंग बनाना न केवल जनभावनाओं का अपमान है, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला भी है। भाजपा जमशेदपुर महानगर ने टाटा स्टील प्रबंधन से दुर्गा पूजा मैदान में किसी भी प्रकार की पार्किंग योजना पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ओझा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय जनता पार्टी बमामाईंस के लोगों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा खड़ी रही है और आगे भी रहेगी। यदि टाटा स्टील प्रबंधन ने जनभावनाओं की अनदेखी करते हुए दुर्गा पूजा मैदान में पार्किंग बनाने का प्रयास किया, तो भाजपा सड़क पर उतरकर इसका जोरदार और पुरजोर विरोध करेगी।

इंटरनेशनल चैम्पियनशिप डॉग शो नौ से, देश-विदेश के 326 वर्ल्ड-क्लास के कुत्ते होंगे शामिल

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर केनेल क्लब (जेकेसी) के तत्वावधान में बहुप्रतीक्षित 79वां, 80वां और 81वां चैम्पियनशिप डॉग शो का भव्य आयोजन 9 से 11 जनवरी तक जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के तीरंदाजी मैदान में किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश और विदेश से आए वर्ल्ड-क्लास डॉग अपनी उत्कृष्ट बनावट, वंशावली, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन करेंगे। यह आयोजन कैनाइन स्पोर्ट्स और डॉग ब्रीडिंग की दुनिया में एक बड़े उत्सव के रूप में देखा जा रहा है। बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेकेसी की प्रेसिडेंट रुचि नरेंद्रन ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में ओबीडिएंस प्रतियोगिता, लैब्राडोर स्पेशलिटी शो, बीगल स्पेशलिटी शो और सभी नस्लों के लिए ऑल ब्रीड्स चैम्पियनशिप शो का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में भारत सहित विभिन्न देशों से आए अनुभवी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जज अपनी भूमिका निभाएंगे। जज पैनल में भारत से फिलिप बट और फिनलैंड से इरिना पोलेटाएवा जैसे प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं, जिनका वैश्विक डॉग शो में लंबा अनुभव रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर नया बादशाह, 'धुरंधर' ने 'केजीएफ 2' को पछाड़ा

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर तूफानी प्रदर्शन नए साल 2026 में भी बिना रुके जारी है। रिलीज के एक महीने बाद भी फिल्म की कमाई में कोई गिरावट नहीं दिख रही, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। आमतौर पर इतनी लंबी अवधि के बाद फिल्मों की रफ्तार थम जाती है, लेकिन 'धुरंधर' ने इस ट्रेंड को तोड़ते हुए इतिहास रच दिया है। दमदार कलेक्शन के दम पर फिल्म ने यश स्टारर फिल्म 'केजीएफ : चैप्टर-2' के लाइफटाइम आंकड़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'धुरंधर' ने रिलीज के 31वें दिन यानी पांचवें रविवार को 12.75 करोड़ का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल कमाई 772.25 करोड़ तक पहुंच गई है। वहीं वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर इसने 1,207 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

इस कलेक्शन के साथ 'धुरंधर' ने फिल्म 'केजीएफः चैप्टर-2' के 1200 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अब फिल्म की नजर एसएस राजामौली की 'आरआरआर' के 1230 करोड़ के आंकड़े पर टिकी हुई है। दूसरी ओर, अगस्त्य नंदा, जयदीप अहलावत और दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र स्टारर फिल्म 'इक्कीस' बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने चौथे दिन 5 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे पहले पहले दिन 7 करोड़, दूसरे दिन 3.5 करोड़ और तीसरे दिन 4.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ था। इस तरह चार दिनों में 'इक्कीस' भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल 20.15 करोड़ रुपये ही जुटा पाई है, जिससे इसके आगे का सफर चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है।

यश की 'टॉक्सिक' में शामिल हुईं तारा सुतारिया

रेबेका के रूप में पहली झलक आई सामने

कियारा आडवाणी की उदास लेकिन मोहक नादिया, हुमा कुरैशी की रहस्यमयी और ग्लैमरस एलिजाबेथ और नयनतारा की खौफनाक गंगा के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, यश की 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' अपनी डार्क और इमर्सिव दुनिया की एक और परत खोलती है। इस बार फिल्म में तारा सुतारिया की एंट्री हुई है, जो रेबेका के किरदार में नजर आएंगी। रेबेका बाहर से नाजुक और आकर्षक दिखती है, लेकिन अंदर से बेहद मजबूत, रहस्यमयी और खतरनाक है। हर नए किरदार के साथ फिल्म का स्केल और इसका विजन और भी भव्य होता जा रहा है। 'टॉक्सिक' हाई-ऑक्टेन एक्शन, गहरे ड्रामा और परतदार कहानी के दम पर लगातार चर्चा में बनी हुई है। तारा सुतारिया के लिए यह फिल्म पैन-इंडिया स्पेस में उनका पहला कदम है, जिसे उनके करियर का एक बोल्ड और निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। रेबेका सिर्फ खूबसूरत और एलिगेंट नहीं है, बल्कि उसके लिए ताकत और हथियार किसी जन्मसिद्ध अधिकार से कम नहीं। फर्स्ट लुक पोस्टर में वह सुनहरी अव्यवस्था के बीच बंदूक थामे दिखाई देती हैं, बाहर से नाजुक, लेकिन रौब और आत्मविश्वास ऐसा जैसे वह उसकी दूसरी त्वचा हो। अपनी 'प्रिटी गर्ल' वाली छवि के लिए पहचानी जाने वाली तारा इस फिल्म में बिल्कुल अलग, कच्चे और उग्र अंदाज में नजर आएंगी। यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट की गई है और इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। दमदार टेक्निकल टीम, इंटरनेशनल लेवल का एक्शन और भव्य प्रोडक्शन के साथ 'टॉक्सिक' 19 मार्च 2026 को ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा के लंबे फेस्टिव वीकेंड पर सिनेमाघरों में धमाकेदार रिलीज के लिए तैयार है।

'कुछ चीजों के लिए 'ना' कहना जरूरी', चित्रांगदा सिंह ने मना करने की अहमियत पर दिया जोर

फिल्म इंडस्ट्री में काम करना जितना चमक-दमक भरा दिखता है, उतना ही मुश्किल भी होता है। कौन सा प्रोजेक्ट करें और किसको रिजेक्ट करें, कई बार ये फैसले किसी कलाकार के पूरे करियर की दिशा तय कर देते हैं। इस मामले को लेकर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान 'ना' कहना सीखना उनके लिए सबसे अहम सीखों में से एक रहा है। बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा, 'अगर कोई कलाकार बार-बार खराब काम करता है, तो उसकी पहचान और विश्वसनीयता धीरे-धीरे कम हो जाती है। ऐसे में कुछ चीजों के लिए 'ना' कहना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह एक अभिनेता के रूप में आपकी इमेज को बचाए रख सकता है। खराब फिल्मों या कमजोर किरदारों को स्वीकार करने से कलाकार की छवि को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा, ''ऐसा जरूरी नहीं कि हर बार मना किया गया फैसला सही ही हो। कई बार ऐसा होता है कि कोई अच्छा प्रोजेक्ट हाथ से निकल जाता है और बाद में एहसास होता है कि वह एक गलती थी। लेकिन कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब मैंने किसी फिल्म को मना किया और उस पर मुझे आज तक कोई पछतावा नहीं है। ऐसे फैसलों ने मुझे आत्मसंतोष दिया और करियर को एक सटीक दिशा दी।'' इंटरव्यू में चित्रांगदा सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी अभिनेता के स्टारडम में पूरी टीम की बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, ''आखिरकार फिल्म सिर्फ एक अभिनेता से नहीं बनती, बल्कि निर्देशक, लेखक, एडिटर और पूरी क्रिएटिव टीम मिलकर उसे आकार देती है। निर्देशक का नजरिया, किरदार को देखने और दिखाने का तरीका, और एडिटिंग टेबल पर लिया गया फैसला, ये सभी चीजें किसी अभिनेता के प्रदर्शन को निखारने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा, ''अच्छे फिल्मकारों के साथ काम करने से अभिनेता खुद-ब-खुद बेहतर बनता जाता है। जब निर्देशक की सोच मजबूत होती है और कहानी को ईमानदारी से पेश किया जाता है, तो कलाकार को भी अपने किरदार में गहराई दिखाने का मौका मिलता है।

'ब्यूटी विद ब्रेन' एक्ट्रेस

'मिस इंडिया' खिताब को बताया करियर के लिए बाधा

'ब्यूटी विद ब्रेन' की बात की जाए तो मल्टी-टैलेंटेड पर्सनैलिटी गुलकीरत कौर पनाग का नाम जरूर आता है। मिस इंडिया का खिताब हो या सर्टिफाइड पायलट गुल सिर्फ एक्ट्रेस और मॉडल ही नहीं, बल्कि फिटनेस एक्सपर्ट, बाइकर और सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। गुल पनाग ने साल 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। उनका नजरिया हमेशा स्पष्ट और अलग हटकर रहा है। बॉलीवुड में उन्होंने कम फिल्में कीं, लेकिन हर बार सार्थक और मजबूत भूमिकाएं चुनीं। एक इंटरव्यू में गुल ने कहा था कि मिस इंडिया का ताज उनके करियर में बाधा बन गया। उनका मानना है कि फिल्ममेकर्स ब्यूटी क्वीन को गंभीर और गहरी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। मेकर्स उन्हें सिर्फ ग्लैमरस रोल ही ऑफर करते हैं। गुल ने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल प्रियंका ही इस टैग को तोड़कर बेहतरीन अभिनेत्री बनीं।

23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म 'बॉर्डर-2' का क्रेज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। शुक्रवार को फिल्म का आइकॉनिक गाना 'घर कब आओगे' जैसलमेर में तनोट माता मंदिर के पास लॉन्च किया गया। जहां बीएसएफ के जवानों को सम्मानित भी किया गया, लेकिन सॉन्ग लॉन्च के दौरान वरुण धवन ने बिना किसी का नाम लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो देश दूसरे देश को आजादी दिला सकता है, वो अपनी आजादी के लिए भी लड़ सकता है। 'बॉर्डर-2' के आइकॉनिक गाने 'घर कब आओगे' के सॉन्ग लॉन्च पर अभिनेता वरुण धवन पूरे जोश के साथ दिखे। उन्होंने लॉन्च पर कहा कि वे बचपन से ही देश की रक्षा में तैनात भारतीय जवानों के साहस पर बनी फिल्म में काम करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'मैंने बचपन में बॉर्डर देखी थी और तब मुझे पहली बार महसूस हुआ था कि मुझे भी देशभक्ति से भरी फिल्म में काम करना है। इस मंच पर खड़े होकर मैं देख रहा हूं कि हर जगह ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर्स लगे हुए हैं। वैसे तो हमारा देश बहुत अमन, शांति और प्यार वाला देश है, लेकिन कभी-कभी बहुत जरूरी है 'बॉर्डर-2' जैसी फिल्मों का आना, क्योंकि इससे हमारे देश के जो यूथ हैं, उन्हें हम सबको बता दें कि हमारे देश में वो जज्बा है, वो हिम्मत है, जब-जब हमारी धरती मां को कोई आंख भी उठाकर देखेगा, तो हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं। वरुण ने साल 1971 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के विभाजन का भी जिक्र किया और कहा, 'अगर हम एक ओर पर 1971 में दूसरे देश को आजादी दिला सकते हैं, तो उसी वक्त हम खुद के फ्रीडम के लिए लड़ भी सकते हैं। ये जज्बा और हिम्मत आज भी हमारी सेना में मौजूद है।' अभिनेता ने सभी से फिल्म देखने की अपील की है। इससे पहले सनी देओल भी फिल्म को लेकर इमोशनल नजर आए। उन्होंने बताया कि वे अपने पिता धर्मेंद्र की फिल्म 'हकीकत' को देखकर बहुत प्रेरित हुए थे और उन्होंने फैसला लिया था कि एक फिल्म ऐसी करनी है।

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरंधर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डांस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैये के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं।

अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' में शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

निर्देशक पूजा कोल्लुरु ने साल 2025 का शुक्रिया जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। इस पोस्ट में जो तस्वीर सबसे ज्यादा चर्चा में है वो पूजा और अक्षय खन्ना की ही है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे।

खुद से छोटे एक्टर राजीव सिद्धार्थ को डेट कर रहीं हैं: कीर्ति कुल्हारी

नए साल का स्वागत हर कोई अपने-अपने तरीके से कर रहा है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने नए साल का स्वागत बड़े ही खास अंदाज में किया है। एक्ट्रेस ने नए साल के मौके पर अपने रिलेशनशिप को रिवील किया है। उन्होंने अपने रिश्ते को आधिकारिक करते हुए अपने पार्टनर के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं।

अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ रिश्ते में हैं कीर्ति

नए साल के मौके पर 1 जनवरी की देर रात कीर्ति कुल्हारी ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अपने रिलेशनशिप को ओपेन किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की है, जिसमें कई अलग-अलग फोटोज हैं। इन फोटोज में कीर्ति कुल्हारी अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ नजर आ रही हैं। इस रील में राजीव और कीर्ति की कई रोमांटिक तस्वीरें भी हैं। इस रील के साथ ही कीर्ति ने राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया है। कीर्ति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 मुबारक हो।'

राजीव से 11 महीने बड़ी हैं कीर्ति

आजकल किसी भी रिलेशनशिप के सामने आते ही पार्टनर्स के बीच उम्र का फासला जानने के लिए भी फैंस उत्साहित रहते हैं। इसी तरह राजीव सिद्धार्थ और कीर्ति कुल्हारी के बीच के उम्र के फासले को लेकर भी फैंस उत्साहित हैं। साल 1985 को जन्मीं कीर्ति कुल्हारी 40 साल की हैं। जबकि राजीव सिद्धार्थ कीर्ति से सिर्फ 11 महीने ही छोटे हैं। अप्रैल 1986 में जन्मे राजीव सिद्धार्थ अभी 39 साल के हैं। ऐसे में कीर्ति और राजीव के बीच उम्र का अधिक फासला नहीं है।

2016 में कीर्ति ने की थी साहिल सहगल से शादी

कीर्ति कुल्हारी ने इससे पहले अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी। दोनों ने साल 2016 में शादी की थी। लेकिन पांच साल तक शादी चलने के बाद साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे।

शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 2012 में आई 'कॉकटेल' की सीक्वल है। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई थीं। इस फिल्म को पसंद किया गया था।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया: सक्रिय निशानेबाजों की अनोखी फ्रेंचाइजी बनी मुंबई एक्स कैलिबर्स

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय खेलों में फ्रेंचाइजी ओनरशिप आमतौर पर बोर्डरूम तक सीमित रहती है, लेकिन आगामी शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) में हिस्सा लेने जा रही मुंबई एक्स कैलिबर्स इस सोच से बिल्कुल अलग राह पर चल रही है। इस फ्रेंचाइजी की सबसे खास बात यह है कि इसके तीनों मालिक खुद सक्रिय शूटर्स हैं–जो भारतीय पेशेवर खेलों में अब तक देखने को नहीं मिला। रोनक पंडित, जो 2006 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल (पेयर) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं, इन दिनों दिल्ली में चल रही 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अपने सह-मालिक जाहिर हवा के साथ हिस्सा ले रहे हैं। उनके साथ भारतीय निशानेबाज फैयाज विरानी भी इस फ्रेंचाइजी के सह-मालिक हैं। खिलाड़ी और मालिक–दोनों भूमिकाओं में सक्रिय रहना भारतीय खेलों में एक अभूतपूर्व उदाहरण है। 25 साल से अधिक समय से शूटिंग से जुड़े जाहिर हवा के लिए इस लीग में निवेश करना एक स्वाभाविक फैसला था। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा,ह्लजैसे ही मैंने लीग के बारे में सुना, मैंने तय कर लिया कि इसका हिस्सा बनना है। शूटिंग से मेरा गहरा लगाव है। इस उम्र में खेल से जुड़े रहने और उसे कुछ लौटाने का यह सबसे बेहतर तरीका है।ह्व रोनक पंडित के अनुसार, शूटिंग लीग का मकसद सिर्फ कुछ दिनों की प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, ह्लयह लीग केवल दो हफ्तों के टूर्नामेंट के बारे में नहीं है। यह खेल को ज्यादा सुलभ बनाने और टैलेंट पूल को बड़ा करने का मंच है, ताकि लंबे समय में फायदा निशानेबाजों को मिले। मुंबई एक्स कैलिबर्स के मालिक सिर्फ एक मजबूत टीम ही नहीं, बल्कि मुंबई शहर की पहचान को भी फ्रेंचाइजी में उतारना चाहते हैं।

जाहिर हवा ने कहा, ह्लटीम को अपने शहर की आत्मा को दर्शाना चाहिए। तभी लोग उससे जुड़ते हैं। मुंबई की अपनी एक ऊर्जा और महत्वाकांक्षा है, जिसे हम फ्रेंचाइजी के हर पहलू में दिखाना चाहते हैं। इस बात को आगे बढ़ाते हुए रोनक पंडित ने कहा,ह्लफैंस सिर्फ जीत के लिए नहीं, बल्कि शहर, भाषा, रंग और मूल्यों से जुड़ाव के कारण टीम को सपोर्ट करते हैं। हमारी पहचान के केंद्र में मुंबई की संस्कृति और वाइब है। टीम के नाम को लेकर पंडित ने बताया,ह्लह्यएक्स कैलिबर्सह्ल नाम जाहिर हवा की बेटी ने सुझाया था। ह्यएक्सकैलिबरह्ल एक पौराणिक तलवार है, जबकि ह्यकैलिबरह्ल शूटिंग से जुड़ा शब्द है। दोनों विचारों का मेल हमें पसंद आया और यहीं से ह्यमुंबई एक्स कैलिबर्सह्ल नाम सामने आया। खुद सक्रिय खिलाड़ी होने के कारण मुंबई एक्स कैलिबर्स के मालिकों को खेल की गहरी समझ है। वे दबाव, फॉर्मेट और खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति को सिर्फ दर्शक के तौर पर नहीं, बल्कि खिलाड़ी के रूप में समझते हैं। जाहिर हवा ने कहा,ह्लक्योंकि हम अब भी खेल रहे हैं, हमें पता है कि अलग-अलग हालात में खिलाड़ी कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं, लेकिन यह हमें थोड़ी बढ़त जरूर देता है।

विकसित भारत के संकल्प के साथ युवाओं से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बुधवार को युवाओं से सीधे संवाद कर उन्हें नेतृत्व, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत की परिकल्पना से जोड़ने का संदेश देंगे। वे राष्ट्रीय युवा महोत्सव ह्लविकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉगझ्र2026ह्व के प्रथम चरण में चयनित प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। यह संवाद राजधानी भोपाल स्थित समत्व भवन में आयोजित होगा, जिसमें प्रदेशभर से आए युवा प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की सोच, उनके नवाचार और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे देश और प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुबह 10:40 बजे मंत्रालय पहुंचेंगे। इसके बाद सुबह 10:45 बजे समत्व भवन में युवाओं से संवाद कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री युवाओं से न केवल संवाद करेंगे, बल्कि उनके सुझाव, विचार और अनुभव भी सुनेंगे। माना जा रहा है कि इस मंच से मुख्यमंत्री युवाओं को सरकार की विभिन्न योजनाओं, रोजगार, स्टार्टअप, शिक्षा और कौशल विकास से जुड़े अवसरों की जानकारी भी देंगे। साथ ही ह्लविकसित भारतह्व के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम केवल संवाद तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह युवाओं के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। प्रदेश सरकार युवाओं को नीति निर्माण और सामाजिक बदलाव का भागीदार बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है और यह संवाद उसी कड़ी का अहम हिस्सा है। इसके अलावा दोपहर एक बजे मुख्यमंत्री का राजनीतिक कार्यक्रम भी महत्वपूर्ण रहेगा। वे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक बड़ी संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे। इस संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार के नए वर्ष में प्रस्तावित सभी बड़े कार्यक्रमों और नीतिगत पहलों की जानकारी देंगे। इसमें विकास योजनाएं, जनकल्याणकारी कार्यक्रम, निवेश, रोजगार और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दे शामिल हो सकते हैं। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की रणनीति को लेकर जानकारी साझा करेंगे।

इसके साथ ही आज शाम को मुख्यमंत्री का दौरा कार्यक्रम भी तय है। शाम पांच बजे वे भोपाल से असम के लिए रवाना होंगे। इसके बाद रात 8:35 बजे मुख्यमंत्री असम की राजधानी गुवाहाटी पहुंचेंगे, जहां वे एक स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से अंतरराज्यीय सहयोग और राजनीतिक संवाद को मजबूती मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रात्रि विश्राम गुवाहाटी में करेंगे।

दुगार्पुर में केंद्रीय जीएसटी टीम की छापेमारी

आसनसोल : दुगार्पुर के बेनाचिति नतून पल्ली इलाके में सेंट्रल जीएसटी की छापेमारी से हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई ट्रांसपोर्टर बापी बाद्यकर के किराए के मकान में की गई। जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के समय बापी बाद्यकर मौके पर मौजूद नहीं थे। हालांकि, उस मकान में कई ट्रांसपोर्ट कंपनियों के कर्मचारी रहते हैं। जीएसटी की टीम मंगलवार शाम से वहां तलाशी अभियान चला रही है और कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में तनाव और उत्सुकता का माहौल बना हुआ है। गौरतलब है कि मंगलवार जब केंद्रीय सशस्त्र बल के जवानों के साथ वाणिज्?यिक जानकारी एवं सांख?यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआइ जीएसटी) के अधिकारियों ने एक मकान पर अचानक छापेमारी की थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह मकान एक व्यवसायी को किराए पर दिया गया था। वाणिज्?यिक जानकारी एवं सांख?यिकी महानिदेशालय अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान किराए पर रहने वाले व्यवसायी को बैठाकर पूछताछ किया । कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे । छापेमारी के कारणों और किसी भी तरह की बरामदगी को लेकर वाणिज्?यिक जानकारी एवं सांख?यिकी महानिदेशालय की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इलाके के लोग पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

मप्र में आगामी बजट 2026-27 की तैयारी तेज, सभी विभागों से मांगी गई विस्तृत रिपोर्ट

सरकारी नियुक्तियों से लेकर गो-चर भूमि तक, बजट से पहले मांगा गया पूरा डेटा

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारियां तेज हो गई हैं। सरकार ने बजट को अधिक परिणामोन्मुखी, पारदर्शी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए सभी विभागों से 15 जनवरी तक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस बार बजट में नई योजनाओं की घोषणा होने के साथ बीते एक वर्ष में संचालित योजनाओं की उपलब्धियों, खर्च और उनके प्रभाव का भी स्पष्ट लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में अधिकारिक जानकारी के अनुसार वित्त विभाग के निर्देश पर सभी विभागों को यह बताना होगा कि पिछले एक साल में उनकी योजनाओं पर कितना बजट खर्च हुआ, उससे कितने लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला और योजनाओं से आम जनता को क्या लाभ पहुंचा। सरकार का फोकस इस बार सिर्फ घोषणा नहीं, बल्कि परिणाम आधारित बजट पर रहेगा, ताकि यह साफ हो सके कि सरकारी खर्च का जमीन पर क्या असर पड़ा। इस संबंध में बताया गया कि बजट 2026-27 में झुग्गी मुक्त शहर, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा क्षेत्र में हुई प्रगति को विशेष महत्व दिया जाएगा। शहरी विकास विभाग से झुग्गी पुनर्वास, आवास योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। वहीं पर्यावरण विभाग को हरित क्षेत्र बढ़ाने, प्रदूषण नियंत्रण और जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति का पूरा ब्यौरा देना होगा। ऊर्जा विभाग से बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, सोलर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं पर हुई प्रगति की जानकारी तलब की गई है। इसके साथ ही बजट की तैयारी में भूमि और संसाधनों के संरक्षण पर भी सख्ती दिखाई जा रही है। सभी संबंधित विभागों से गो-चर भूमि और शासकीय जमीन पर हुए अतिक्रमण के मामलों में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी गई है। सरकार यह संदेश देना चाहती है कि सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन उसकी प्राथमिकता है। बजट में इस दिशा में आगे की कार्ययोजना भी रखी जा सकती है। सरकार इस बार बजट भाषण में नई योजनाओं के साथ-साथ पुरानी योजनाओं की उपलब्धियों को भी प्रमुखता से शामिल करेगी। इसका उद्देश्य यह बताना है कि सरकार ने अपने वादों पर कितना अमल किया और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। इसी क्रम में सरकारी नियुक्तियों, रोजगार सृजन और श्रमिक कल्याण योजनाओं से जुड़े आंकड़े भी अनिवार्य रूप से मांगे गए हैं। श्रम विभाग को यह स्पष्ट करना होगा कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कितने श्रमिकों को लाभ मिला और उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए। इसके अलावा, केंद्र सरकार के विजन ह्वविकसित भारत @2047ह्ल को ध्यान में रखते हुए प्रदेश स्तर पर किए जा रहे प्रयासों पर भी सभी विभागों से फीडबैक मांगा गया है।

नोबेल विजेता मचाडो ने कहा-वेनेजुएला का नेतृत्व संभालने के लिए गोंजालेज भी बेहतर विकल्प

एजेंसी

काराकस (वेनेजुएला) : वेनेजुएला के राजनीतिक भविष्य के बारे में उठ रहे सवालों के बीच विपक्षी गठबंधन की प्रमुख नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा कि अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार और सत्ता से बाहर कर 2024 के जनादेश का सम्मान किया है। उन्होंने इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताते हुए कहा कि देश का नेतृत्व संभालने के लिए सेवानिवृत्त राजनयिक एडमंडो गोंजालेज भी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। सीबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, किसी अज्ञात जगह पर रह रहीं मचाडो ने कहा कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में सरकार ने उन्हें मादुरो के खिलाफ चुनाव लड़ने से रोक दिया। तब उनकी जगह गोंजालेज ने ली। मादुरो सरकार पर वोटों की गिनती में धांधली का आरोप लगने के बाद अमेरिका और अन्य सरकारों ने गोंजालेज को विजेता के रूप में मान्यता दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष देश के लोगों की सेवा करने के लिए तैयार है। अगर राष्ट्रपति चुनाव होता है तो वह भी मैदान में होंगी। उल्लेखनीय है कि इस मादुरो की करीबी डेल्सी रोड्रिगेज वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। मचाडो ने कहा कि रोड्रिगेज पर देश भरोसा नहीं करता। यहां यह साफ करना जरूरी है कि ट्रंप को इस बात पर भरोसा नहीं कि मचाडो देश का नेतृत्व संभाल पाएंगी। ट्रंप कह चुके हैं कि वह अच्छी महिला हैं पर देश का नेतृत्व कर पाएंगी, इसमें उन्हें संदेह है। बावजूद इसके मचाडो ने ट्रंप की टिप्पणी के जवाब में कहा कि वह ड्रग्स के आरोपों में मादुरो को पकड़ने और गिरफ्तार करने के ट्रंप के फैसले के लिए उनकी आभारी हैं। मचाडो ने कहा कि कुछ सप्ताह पहले लोग कहते थे कि मादुरो को अपदस्थ करना नामुमकिन है। मगर ट्रंप ने वह कर दिखाया। यह बहुत बड़ी बात है। यह वेनेजुएला में लोकतंत्र को बहाल करने की दिशा में बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री साय आज माता राजिम जयंती महोत्सव में होंगे शामिल

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बुधवार को गरियाबंद जिले के दौरे पर रहेंगे। वे गरियाबंद में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री आज सुबह 11:35 को रायपुर पुलिस लाइन हेलीपेड से पाण्डुका के लिए रवाना होंगे, जहां दोपहर 12 बजे सिरकट्टी आश्रम धर्मध्वज स्थापन और शिलान्यास कार्यकम में शामिल होंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दोपहर 2 बजे राजिम लोचन मंदिर पहुंचेंगे, जहां वे मंदिर दर्शन कर माता राजिम जयंती महोत्सव 2026 में हिस्सा लेंगे। शाम 4 बजे राजिम से राजधानी रायपुर के लिए वापसी करेंगे।

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का कहर, पारा 2 डिग्री तक लुढ़का,

– प्रदेश के कई जिलों में घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश इस समय भीषण ठंड की चपेट में है। प्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में घना कोहरा छाया हुआ है, जबकि कई जिलों में शीतलहर और कोल्ड डे की स्थिति बनी हुई है। ठंड के असर से न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजधानी भोपाल में जनवरी की सर्दी ने पिछले 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हालात को देखते हुए इंदौर, रायसेन, ग्वालियर और नर्मदापुरम में बुधवार को भी स्कूल बंद रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को भी प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में कोहरे का असर रहेगा। ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में विजिबिलिटी बेहद कम दर्ज की गई है। इसके अलावा भोपाल, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सीहोर, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल और मैहर में भी घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने बुधवार को भोपाल, सीहोर, राजगढ़ और शाजापुर में शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले शाजापुर, शहडोल, सिवनी, मंदसौर और सीहोर में शीतलहर का प्रभाव देखा गया, जबकि भोपाल और राजगढ़ में तीव्र शीतलहर चली। भोपाल, विदिशा, सीहोर, शाजापुर और नरसिंहपुर में कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी रही।

ठंड के चलते स्कूलों में अवकाश

लगातार तीसरे दिन कड़ाके की ठंड के चलते प्रदेश के कई जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई। इंदौर, उज्जैन, मंदसौर, शाजापुर, विदिशा, ग्वालियर, अशोकनगर, रायसेन, आगर-मालवा, भिंड, टीकमगढ़, हरदा, नीमच, रतलाम, राजगढ़, मंडला, जबलपुर, दमोह, डिंडौरी, नर्मदापुरम, झाबुआ, छतरपुर, सीधी और बैतूल सहित कई जिलों में पहले ही अवकाश दिया जा चुका है। बुधवार को भी इंदौर, रायसेन, ग्वालियर और नर्मदापुरम के स्कूल बंद रहेंगे। वहीं भोपाल, धार, सीहोर, अनूपपुर, बड़वानी, मुरैना और खरगोन में स्कूल सुबह 9 बजे के बाद ही संचालित होंगे।

दिन का तापमान भी गिरा

रात के साथ-साथ दिन का तापमान भी सामान्य से काफी नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दतिया में दिन का अधिकतम तापमान सबसे कम 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। श्योपुर में 18.2, नौगांव में 18.5, ग्वालियर में 18.9, खजुराहो में 20.4, रीवा और टीकमगढ़ में 20.6, नरसिंहपुर और मलाजखंड में 21, पचमढ़ी और सीधी में 21.6, भोपाल और दमोह में 21.8 तथा रतलाम और गुना में 22.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज फिलहाल मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। नए साल की शुरूआत होने के बाद से ही अमेरिकी स्टॉक मार्केट में उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस साल वॉल स्ट्रीट में लगातार खरीदारी हो रही है। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान करीब 500 अंक उछल कर पहली बार 49 हजार अंक के स्तर के पार जाकर बंद हुआ। पिछले तीन कारोबारी दिन के दौरान डाउ जॉन्स करीब 1,500 अंक उछल चुका है। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,946.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 157.77 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,553.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 134.73 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की छलांग लगा कर 49,595.81 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 118.16 अंक यानी 1.17 प्रतिशत उछल कर 10,122.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,237.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 24,892.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,095.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 8,954.19 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,276.10 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 4,741.07 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,219 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 99.92 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 30,476.38 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज बड़ी कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 252.45 अंक यानी 0.95 प्रतिशत फिसल कर 26,458 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 442.08 अंक यानी 0.84 प्रतिशत टूट कर 52,076 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.31 प्रतिशत लुढ़क कर 4,511.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग पर तीन प्रतिशत की विशेष छूट

आसनसोल : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तथा डिजिटल माध्यमों से टिकट बुकिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के अंतर्गत रेलवन (फ्रंडल्ली) मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। वर्तमान में रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत बोनस कैशबैक की सुविधा उपलब्ध है। अब डिजिटल बुकिंग को और अधिक बढ़ावा देने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के अतिरिक्त अन्य सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों (जैसे यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि) से अनारक्षित टिकट बुक करने पर सीधे तीन प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। हालांकि, यदि यात्री रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करते हैं, तो पहले से लागू तीन प्रतिशत बोनस कैशबैक की व्यवस्था यथावत जारी रहेगी। यह सुविधा दिनांक 14.01.2026 से 14.07.2026 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान प्राप्त फीडबैक के आधार पर इस योजना की आगे समीक्षा की जाएगी। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा डिजिटल माध्यमों से टिकट बुकिंग को अपनाकर समय की बचत करें। रेलवे प्रशासन इस योजना की जानकारी को विभिन्न माध्यमों से व्यापक रूप से प्रचारित कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक यात्री इस सुविधा से लाभान्वित हो सकें।

साइबर आतंकी मामले में सीआईके ने कश्मीर घाटी में 22 स्थानों पर की छापेमारी

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस शाखा ने बुधवार को साइबर आतंकी मामले की जांच के तहत कश्मीर घाटी में 22 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने फर्जी खातों पर कड़ी कार्रवाई की है क्योंकि पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी और आतंकी फंडिंग को बढ़ावा देने वाले ऐसे खातों पर शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने बताया कि साइबर आतंकी मामले की जांच के तहत सीआईके ने कश्मीर घाटी में 22 स्थानों पर छापेमारी की जिनमें श्रीनगर शहर के 15 स्थान शामिल हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

नेताई के शहीदों को ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर नेताई कांड के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि नेताई के शहीदों को वह विनम्र श्रद्धा और प्रणाम अर्पित करती हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि आज ही वर्ष 2011 में झाड़ग्राम जिले के नेताई गांव में हिंसा में नौ निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने इस घटना को याद करते हुए नेताई के सभी शहीदों के प्रति गहरी संवेदना और सम्मान व्यक्त किया। ममता बनर्जी ने कहा कि नेताई के उन सभी शहीदों की कुबार्नी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने उनके परिजनों के प्रति भी अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और कहा कि यह दिन हमें हिंसा के खिलाफ एकजुट होकर शांति और मानवता के पक्ष में खड़े रहने की याद दिलाता है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी : गुवाहाटी में पुलिस ने हेरोइन के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने आज बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर पानबाजार पुलिस की एक टीम ने बुधवार तड़के 2 नंबर रेलवे गेट इलाके में अभियान चलाकर एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपित की पहचान ऐनुल हक (25) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान आरोपित के पास से छह प्लास्टिक वायल में रखी संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई, जिसका कुल वजन 11.7 ग्राम बताया गया है। आरोपित वर्तमान में लकटोकिया स्थित 2 नंबर रेलवे गेट क्षेत्र का निवासी है, जबकि उसका स्थायी पता धुबरी जिले के फकीरगंज थाना अंतर्गत कोलापीठा गांव बताया गया है।
पानबाजार पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आरोपित से आगे की पूछताछ जारी है।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई: तुर्कमान गेट के पास से अवैध कब्जे को हटाया

नई दिल्ली : दिल्ली हाईकोर्ट के निदेर्शों के अनुपालन में नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) ने बुधवार तड़के तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास, रामलीला मैदान के निकट अतिक्रमित क्षेत्र में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। ध्वस्तीकरण कार्यक्रम के शांतिपूर्ण और सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा व्यापक कानून-व्यवस्था के इंतजाम किए गए। पूरे इलाके को नौ जोन में विभाजित किया गया था। जिनमें से प्रत्येक की निगरानी अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस रैंक के अधिकारियों को सौंपी गई थी। संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। संयुक्त आयुक्त पुलिस मधुर वर्मा ने बताया कि अभियान से पहले अमन कमेटी के सदस्यों और स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ कई समन्वय बैठकें आयोजित की गईं, ताकि शांति बनाए रखी जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। एहतियातन सभी आवश्यक निवारक और विश्वास बहाली के कदम उठाए गए थे। ध्वस्तीकरण के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पत्थरबाजी कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया, हालांकि पुलिस ने स्थिति को हल्के बल प्रयोग से तुरंत नियंत्रित कर लिया। न्यूनतम और संतुलित बल प्रयोग करते हुए हालात पर काबू पाया गया, जिससे किसी प्रकार की बड़ी घटना नहीं हुई और क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो गई। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ न्यायालय के आदेशों को पूरी संवेदनशीलता, पेशेवर तरीके और कानूनी प्रक्रिया के तहत लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम ने फैज ए इलाही मस्जिद के पास करीब 38 हजार वर्ग फुट जमीन पर अवैध कब्जे का नोटिस जारी किया था, जिस पर पार्किंग और एक निजी अस्पताल सहित अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यहीं पर एक कब्रिस्तान भी बना हुआ है। एमसीडी के नोटिस को मस्जिद कमेटी ने न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन वह जमीन पर मालिकाना हक से संबंधित कागजात पेश नहीं कर सके थे, न ही वह वक्फ की संपत्ति ही साबित कर सके। ऐसे में न्यायालय के आदेश के बाद अतिक्रमण की कार्रवाई की गई और जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया।

माघ मेला क्षेत्र में पालिथीन के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध

प्रयागराज : माघ मेला क्षेत्र में पर्यावरण के मद्देनजर पालिथीन के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिससे मेरा क्षेत्र में लगाई गई सभी चाय नाश्ते की दुकानों में मिट्टी के कुल्हड़ और कागज एवं पत्तियों से बने दोना और थाली का प्रयोग किया जा रहा है। इस संबंध में बुधवार को जानकारी माघ मेला प्रभारी श्रृषिराज ने दी। उन्होंने बताया कि पतित पावनी मां गंगा एवं यमुना की जलधारा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए माघ मेला क्षेत्र में लगने वाली दुकानों और कल्पवासियों, एवं अन्य क्षेत्र संचालित करने वाली सभी संस्थाओं से अपील करते हुए निर्देश दिया गया है कि मेला क्षेत्र में प्लास्टिक से निर्मित कप, दोना एवं पत्तल, गिलास का प्रयोग करना पूरी तरह से प्रतिबंध किया गया है ?। पर्यावरण के संरक्षण करने में सभी संतों का मिल रहा है सहयोग उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में आने वाले सभी पूज्य संतों, दुकानदारों एवं कल्पवासियों का पूरा सहयोग मिल रहा है। मेला क्षेत्र में दुकान लगाने वाले सभी दुकानदार मिट्टी या कागज से तैयार कुल्हड़, दोना एवं पत्तल (थाली) और गिलास का प्रयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रतिदिन के कूड़े को कूड़ेदान में रखते है।

न्यूज IN ब्रीफ

सुरेश कलमाडी के निधन पर सुबोधकांत सहाय ने जताया शोक

रांची : पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेश कलमाडी के निधन पर कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने शोक जताया है। श्री सहाय ने अपनी शोक संवेदना में कहा कि स्व। कलमाडी राजनीति और खेल जगत में एक जाने-माने शख्सियत थे। उनके असामयिक निधन से राजनीतिक, सामाजिक और खेल जगत में शून्यता आ गई है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी स्व।कलमाडी खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के प्रति सदैव सक्रिय रहे। श्री सहाय ने दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

नवपदस्थापित एसपी श्रीकांत सुरेशराव खोत्रे ने उपायुक्त कंचन सिंह से की भेंट

सिमडेगा : जिले के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्रीकांत सुरेशराव खोत्रे (आईपीएस) ने बुधवार को उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उपायुक्त महोदया ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन हेतु शुभकामनाएं दीं।

शिष्टाचार भेंट के दौरान उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत सुरेशराव खोत्रे के बीच जिले की कानून-व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। उपायुक्त महोदया ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय से अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा तथा आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी सेवा प्रदान करने में मजबूती आएगी।

नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक श्रीकांत सुरेशराव खोत्रे ने उपायुक्त महोदया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सिमडेगा जिले में कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता के साथ सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने महिला एवं बाल सुरक्षा, नशा उन्मूलन, सड़क सुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा जनसहयोग के माध्यम से पुलिसिंग को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल करने की बात कही।

उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग आम जनता के साथ संवाद स्थापित कर विश्वास का वातावरण बनाए रखने तथा जिले में शांति, सौहार्द और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयास करता रहेगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के बीच आपसी समन्वय और सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

युवक ने 102 साल की परदादी को पटककर मार डाला

धनबाद : झारखंड के धनबाद में एक खौफनाक घटना सामने आई है। यहां के तेतुलमारी थाना क्षेत्र के नगरीकला गांव में मंगलवार की शाम एक सनकी युवक ने मामूली विवाद में अपनी 102 साल की परदादी की पटक कर हत्या कर दी। घटना के बाद फरार होने की कोशिश कर रहे आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले की जानकारी देते हुए मृतका टुकिया देवी की बहू दासी रवानी के लिखित आवेदन पर तेतुलमारी थाना में आरोपी रवि रवानी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। दासी रवानी ने बताया कि रवि अक्सर घर में मारपीट और झगड़ा करता रहता था। मंगलवार की शाम भी किसी बात को लेकर उसकी परदादी से नोकझोंक हो रही थी। इसी दौरान रवि ने घर का दरवाजा बंद कर अपनी वृद्ध परदादी को उठाकर जमीन पर पटक दिया। इससे वह अचेत हो गई। इसके बाद आरोपी दरवाजा खोलकर आंगन में बैठ गया। घटना की सूचना पंचायत के मुखिया को दी गई। इसके बाद परिजन वृद्धा को अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

केबुल टाउन में मंदिर पुनरुद्धार से कंपनी को नई उम्मीद

जमशेदपुर : केबुल टाउन में श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर (पूर्व बिड़ला मंदिर) का जीर्णोद्धार तेजी से चल रहा है। श्रीलक्ष्मीनारायण, माँ काली, भोलेनाथ, गणेश और हनुमान जी के विग्रह स्थापना से दुष्ट शक्तियाँ भागीं, बाधाएँ दूर हुईं। इससे केबुल कंपनी फिर शुरू होने के आसार प्रबल हो गए।गर्भगृह में भगवान विष्णु के दशावतार विग्रह तैयार है, रंगरोगन बाकी। चारों ओर महर्षि विश्वामित्र, जमदग्नि, कश्यप व वाल्मीकि की प्रतिमाएँ स्थापित। देश का पहला ऐसा लक्ष्मीनारायण मंदिर बनेगा। बाउंड्री, भव्य गोपुरम पर पाँच पीतल कलश व विशाल फर्श का कार्य प्रगति पर।लेखक सरयू राय ने देवताओं से प्रार्थना की कि कंपनी बहाली की बाधाएँ भी दूर करें।

टाटा स्टील ग्रोथ शॉप में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

गम्हरिया : टाटा-कांड्रा मार्ग पर बेतहाशा हो रही सड़क दुर्घटनाओं को मद्देनजर पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लूणायत ने गंभीरता से लिया है। इसे रोकने के लिए बड़ी बड़ी कंपनियों में कामगारों के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें कंपनी प्रबंधनों का भी परस्पर सहयोग मिलने से कामगार सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं। बुधवार को परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक पूजा कुमारी के नेतृत्व में और गम्हरिया थाना प्रभारी रामचंद्र रजक की उपस्थिति में टाटा स्टील ग्रोथ शॉप में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। पूजा कुमारी ने कहा कि सड़क पर आम लोग अपने कर्तव्य का पालन करे, नियमों को माने तथा पुलिस प्रशासन का सहयोग करे तो प्राण घातक हादसों को टाला जा सकता है। रामचंद्र रजक ने कहा कि आपका जीवन काफी अनमोल है। एक छोटी सी लापरवाही से लोग जीवन गंवा लेते हैं। टीजीएस के महाप्रबंधक शरद कुमार शर्मा ने रोड सेफ्टी के महत्व को कई उदाहरण देकर समझाया। उन्होंने कहा कि सड़कों पर कभी भी लापरवाही नहीं बरतें। वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का अनुपालन करें। इस अवसर पर टिस्को मजदूर यूनियन के महामंत्री शिवलखन सिंह समेत अन्य वक्ताओं में संबोधित किया। इस दौरान टीजीएस कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें सड़क

डीसी ने रची आंगनबाड़ी गीत की प्रेरक रचना

संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड सरकार द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत सिमडेगा नगर भवन में अनुमंडल स्तरीय ह्सुरक्षित एवं सशक्त महिला झ बाल विवाह मुक्त झारखंडह्व तथा विभिन्न नारी शक्ति योजनाओं को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों एवं आंगनबाड़ी से जुड़े हितधारकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह (भा।प्र।से।) ने की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक भावनात्मक और

प्रेरणादायी आंगनबाड़ी गीत की रचना की। गीत में बच्चों के सपनों, आशाओं, पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरल शब्दों में पिरोया गया है। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी सेविकाओं ने उपायुक्त द्वारा रचित इस गीत को सामूहिक रूप से गाया, जिससे पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। गीत ने उपस्थित जनसमूह को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए आंगनबाड़ी व्यवस्था के महत्व को रेखांकित किया।

उपायुक्त कंचन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आंगनबाड़ी बच्चे झारखंड का भविष्य हैं और उन्हें सही पोषण, शिक्षा व संरक्षण देकर राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

आंगनबाड़ी गीत

डगमग डगमग कदम हमारे बेशक नन्हें हाथ, छोटे से इस तन मन में
पर बहुत बड़ी है आस
आसमान में दौड़ लगाएँ तारों को हम छूकर आएँ इन्द्रधनुष के रंगों से हम रंग लें अपने हाथ
पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा दें और हमें दें विद्या दान आज जो पाया, कल देंगे उसका सौ गुन प्रतिदान
आंगनबाड़ी के हम बच्चे नन्हें मुन्ने, सीधे - सच्चे आसमान में लिख देंगे हम झारखण्ड का नाम।

कंचन सिंह उपायुक्त, सिमडेगा।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत शपथ व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

सिमडेगा : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर आज सिमडेगा जिले के सभी प्रखंडों एवं जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा।

जिला मुख्यालय स्थित नगर भवन, सिमडेगा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उपायुक्त कंचन सिंह द्वारा जिले के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, मुखिया, सहायिकाओं तथा अन्य उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, यातायात नियमों के पालन, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा सुरक्षित गति से वाहन चलाने का संकल्प दिलाया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। थोड़ी-सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है, इसलिए सभी नागरिकों को नियमों का पालन कर स्वयं भी सुरक्षित रहना चाहिए और दूसरों को भी सुरक्षित रखने में योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें उपायुक्त, उप विकास आयुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर कर सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। साथ ही, पदाधिकारियों द्वारा लोगों के साथ सेल्फी लेकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया, जिससे आमजन में जागरूकता का सकारात्मक संदेश प्रसारित हो सके।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आगामी दिनों में जिले के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता अभियान, वाहन जांच, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित कर आम लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

छवि रंजन ने स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2011 बैच के वरीय आईएएस अधिकारी छवि रंजन ने संयुक्त सचिव के रूप में स्वास्थ्य विभाग में अपना योगदान दिया।

श्री रंजन के योगदान देने से विभाग के विकास कार्यों और विभाग अधीन अन्य संबंधित कार्यों के निष्पादन बेहतर और सुचारू ढंग से संपादित होंगे । श्री रंजन इससे पूर्व कोडरमा, सरायकेला खरसावां और रांची के उपायुक्त रह चुके हैं इसके अलावे कृषि एवं समाज कल्याण विभाग के निदेशक साथ ही साथ रिम्स के भी निदेशक रह चुके हैं। इस प्रकार से उन्हें स्वास्थ्य के बेहतर कार्य करने का अनुभव भी रहा है।

फिफ्थ फाईनेन्स के चेयरमैन सीएम से मिले दी नववर्ष की शुभकामनाएं

ज्योति पाठक

नववर्ष 2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवासीय कार्यालय में फिफ्थ फाईनेन्स के चेयरमैन अमरेंद्र प्रताप सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर उन्हें नववर्ष की शुभकामना और बधाई दी साथ ही श्री सिंह ने मुख्यमंत्री को कुमार राणा एवं देविका मोदी द्वारा रचित पुस्तक ' द एडवासेस ऑफ झारखंड पुस्तक भी भेंट की। विदित हो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा 1991 बैच के आईएएस अधिकारी अमरेंद्र प्रताप सिंह झारखंड के कई जिलों के उपायुक्त के अलावे सर्वाधिक विभाग में सचिव और प्रधान सचिव भी रह चुके हैं तथा अपर मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त होने के पश्चात उन्हें फिफ्थ फाईनेन्स का चेयरमैन बनाया गया है। श्री सिंह शिक्षा सचिव भी रह चुके हैं और मुख्यमंत्री को पुस्तक का भेंट देना उनका शिक्षा के प्रति लगाव और प्रगाढ़ता को भी दर्शाता है।

1 फरवरी को 20वीं रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा

सिमडेगा से 500 से अधिक तीर्थयात्री होंगे शामिल

संवाददाता

सिमडेगा : 20वीं रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा का आयोजन 01 फरवरी को किया जाएगा, जिसे लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस तीर्थ यात्रा में सिमडेगा जिला से लगभग 500 से अधिक तीर्थयात्री रोहतासगढ़ तीर्थ धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। सभी तीर्थयात्री 31 जनवरी की शाम सिमडेगा से रवाना होंगे और अगले दिन रोहतासगढ़ पहुंचकर तीर्थ धाम का दर्शन करेंगे। इस दौरान महादेवझपार्वती करम वृक्ष देवता की विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी।

सिमडेगा सरना स्थल में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए समाजसेवी मुनेश्वर तिर्की ने बताया कि इस वर्ष की रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा में देश के 10 राज्यों से तीर्थयात्री शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह यात्रा धार्मिक

आस्था, संस्कृति और परंपरा को सहेजने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रेस वार्ता में सिमडेगा जिले के तीर्थ यात्रा संयोजक बसंत नारायण मांझी, सह संयोजक हरिश चंद्र भगत एवं सह संयोजक मुनेश्वर तिर्की ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि सभी तीर्थयात्रियों से पारंपरिक वेशभूषा एवं पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ रोहतासगढ़ तीर्थ धाम में शामिल होने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान प्रमुख अतिथियों के विचारों को सुनने का अवसर मिलेगा, जिससे श्रद्धालु लाभान्वित होंगे और धर्म, संस्कृति, परंपरा व पहचान की रक्षा के लिए संकल्प लेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में 20वीं रोहतासगढ़ तीर्थ यात्रा में शामिल होने की अपील की जा रही है। प्रेस वार्ता के दौरान संतोष दास, बाबूलाल उरांव, चंदेश्वर मुंडा, ममता देवी, उर्मिला देवी, रविंद्र बड़ाइक, बिरसा मुंडा, चंद्रिका भगत, योगेंद्र मांझी, धर्मदेव बिंझिया एवं महेश सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्टेशन पर इंजीनियर को चाकू मारने में एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

संवाददाता

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन पर रायगढ़ निवासी डिजाइन इंजीनियर संदीप कुमार मंडल को चाकू मारकर जख्मी करने के मामले में आरपीएफ ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बागबेड़ा निवासी राहुल उर्फ रोहित कुमार के रूप में हुई है। चक्रधरपुर मंडल आरपीएफ की उड़नदस्ता टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को शुक्रवार रात टाटानगर स्टेशन परिसर से पकड़ा, जहां वह शिकार की तलाश में घूम रहा था। आरोपी की निशानदेही पर हमले में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि स्टेशन की घटना के बाद दोनों आरोपियों ने मेन रोड पर पुराने सिंह होटल के पास एक अन्य व्यक्ति से भी छिनतई का प्रयास किया था और चाकू से हमला किया था।

आरपीएफ के अनुसार राहुल उर्फ रोहित कुमार पहले भी ट्रेन यात्री का मोबाइल चोरी करने के आरोप में टाटानगर रेल थाना से जेल जा चुका है। मालूम हो कि गुरुवार रात टाटानगर स्टेशन पर हावड़ा-हटिया क्रिया योगा एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे संदीप कुमार मंडल पर दो बदमाशों ने छिनतई के दौरान चाकू से हमला कर दिया था। घायल यात्री के बयान पर रेल पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमला और छिनतई के प्रयास का मामला दर्ज किया था। आरपीएफ और जीआरपी की टीमें अब दूसरे फरार आरोपी की तलाश में जुटी हैं।

9 हाथियों के झुंड ने फसल व घरों पहुंचाया नुकसान

धान-आलू-मटर की फसल नष्ट

संवाददाता

चान्हो : चान्हो प्रखंड अंतर्गत बेयासी पंचायत के गुडगुड़िया टोली में मंगलवार रात 9 जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों के झुंड ने गांव में घुसकर कई ग्रामीणों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और खेतों में लगी फसलों को रौंद डाला, जिससे ग्रामीणों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फागी उरांव (पति फागुनी उरांव), गांदरू उरांव (पिता सरूवा उरांव) एवं जुबी उरांव (पिता बोधे उरांव) के घरों के साथ-साथ धान की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। वहीं गोपाल उरांव (पिता गूंदा उरांव) की लगभग

2 एकड़ में लगी आलू की फसल हाथियों के झुंड ने तबाह कर दी, जबकि सही उरांव (पिता लच्छू उरांव) की मटर की फसल भी नुकसान की चपेट में आ गई।

घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में स्थायी लाइट की व्यवस्था, हाथियों की निगरानी तथा तत्काल सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

इस मामले में चान्हो प्रखंड झामुमो के प्रखंड उपाध्यक्ष इमरान अंसारी ने पीड़ित परिवारों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे डालटनगंज राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने को बाध्य होंगे।